हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 187 बेमेतरा, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना लोकतंत्र का मूल आधार : राधाकृष्णन

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि लोकतंत्र में दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना अपनी भावनाओं का सम्मान करना और इस तरह के आदान-प्रदान से राष्ट्रीय एकता मजबूत होती है। राधाकृष्णन ने गुरूवार को श्रीनगर में कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालयों को भले ही बुनियादी ढांचे और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता हो, लेकिन उनकी सच्ची विरासत उनके स्नातकों के चरित्र और योगदान में झलकती है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजारों में तेजी

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच आईटी और फार्मा कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स 142.71 अंक चढ़कर 82,418.78 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 68.80 अंक (0.08 प्रतिशत) ऊपर 82,344.87 अंक पर था।

कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सा आपूर्ति में धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा ने कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सा आपूर्ति की खरीद से संबंधित बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी में कथित संलिप्तता के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ औपचारिक मामला दर्ज किया है। पीरबाग और सनत नगर, श्रीनगर के निवासियों के खिलाफ एक लिखित शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने खुद को जम्मू-कश्मीर मंत्रालय के प्रतिनिधि और ओएसडी आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधि के रूप में पेश किया था। ईओडब्ल्यू के बयान में कहा गया, धोखाधड़ी से विभागों और संस्थानों को चिकित्सा सामग्री के भुगतान को असली आपूर्तिकर्ताओं के नाम पर फर्जी तरीके से खोले गए।

मुख्यमंत्री साय ने संघ की 100 वर्षों की गौरवगाथा पर आधारित फिल्म 'शतक' को छत्तीसगढ़ में टैक्स-फ्री करने की घोषणा की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' देखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के प्रदर्शन के बाद कहा कि 'शतक' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, जनसेवा और समर्पण की सतत साधना का सजीव चित्रण है। उन्होंने कहा कि संघ की प्रेरक गाथा जन-जन तक पहुँचे और नई पीढ़ी को राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरणा मिले, इस उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में इस फिल्म को टैक्स-फ्री करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूजनीय डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी के तप, त्याग और दूरदर्शी विचारों से प्रारंभ हुई इस यात्रा को पूजनीय माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर जी ने नई दिशा और संगठनात्मक शक्ति प्रदान की। एक शताब्दी का यह इतिहास लाखों स्वयंसेवकों के अनुशासन, समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शिक्षा, सेवा और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का कार्य किया है। आपदा, संकट और सामाजिक आवश्यकताओं के समय संघ कार्यकर्ताओं की सेवा भावना ने समाज को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनसेवा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की यही प्रेरणा शासन के कार्यों में भी मार्गदर्शक बनती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि फिल्म 'शतक' युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करेगी।

भारत और इजराइल द्विपक्षीय मंत्री स्तरीय बैठकों की व्यवस्था पर सहमत

यरुशलम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देश भविष्य में नियमित तौर पर द्विपक्षीय मंत्री स्तरीय बैठकों की व्यवस्था पर सहमत हुए हैं।

मोदी की यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन गुरुवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी घोषणा की। दोनों देशों के बीच संबंधों में नवाचार को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है जो नवाचार करते हैं, और इजराइल तथा भारत नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नियमित मंत्री स्तरीय बैठकों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, हम प्राचीन सभ्यताएं हैं, अपने अतीत पर बहुत गर्व करने वाली, लेकिन भविष्य को अपनाने के लिए पूरी तरह दृढ़ संकल्पित - और हम इसे साथ मिलकर और बेहतर कर सकते हैं। हमने भारत में जी2जी (सरकारों के बीच) बैठक करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत के असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लोगों और इजराइल के लोगों के साथ सहयोग पर चर्चा की, और इसे ठोस रूप देने पर सहमत हुए।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मोदी प्रिसिजन एग्रीकल्चर की बात करते हैं जिसमें पूरे खेत की बजाय उसके एक विशेष हिस्से की सिंचाई की जाती है जहां इसकी जरूरत है। उसी प्रकार उन्होंने विशेष छात्र के मस्तिष्क को सींचने की सलाह दी जिसमें प्रिसिजन एजुकेशन की बात हो।

नेतन्याहू ने कहा, अब हमारे पास ऐसा सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है, जिससे हम हर युवा छात्र - लड़का या लड़की - तक पहुंच सकते हैं और उन्हें उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुंचने में सक्षम बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो सीमाएं पहले बाधा होती थीं, वे अब समाप्त हो गयी हैं। अब भविष्य उन्हीं का है जो उसे अपनाते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने मोदी की तारीफ करते हुए कहा, आपकी सरकार अत्यंत कुशल है। आप एक मंत्री और एक राजदूत के साथ जो कर सकते हैं, वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान हमारे बीच जो दिलों और दिमागों का मिलन हुआ है, वह मंत्री स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में भी जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने यामानाशी प्रांत में ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की सराहना की

जापान/ लखनऊ। जापान दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यामानाशी प्रांत में ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश भी स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं यामानाशी के माननीय राज्यपाल और उनकी पूरी टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि आज उन्होंने मुझे और मेरे सभी सहयोगियों को यामानाशी प्रांत को नजदीक से देखने, जानने और सभी के साथ संवाद करने का अवसर दिया। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने यामनाशी प्रांत में स्थित यामानाशी हाइड्रोजन फैसिलिटी का भ्रमण किया और वहां स्थापित एडवांस्ड पावर-टू-गैस सिस्टम को कार्य करते हुए देखा।

राजधानी का ऊर्जा क्षेत्र देश का अग्रणी मॉडल बने : आशीष सूद

नयी दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजधानी का ऊर्जा क्षेत्र केवल दिल्ली वासियों की जरूरतें पूरी नहीं करे बल्कि देश का अग्रणी मॉडल बने। सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में आज चांदनी चौक क्षेत्र में बिजली की ऊपरी लाइनों को भूमिगत करने के कार्य के शुभारंभ के साथ ऊर्जा संबंधित कई और परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास नहीं, बल्कि उस विश्वास का उत्सव है जो दिल्ली की जनता ने एक वर्ष पूर्व भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जताया था।

देश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन बन चुका है सबसे बड़ा अपराध : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आज देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में शांतिपूर्ण विरोध करना सबसे बड़ा अपराध बना गया है। श्री गांधी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साज़िश बताया जाता है। गांधी ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि यदि कोई नागरिक संवैधानिक तरीके से सत्ता के खिलाफ आवाज़ उठाता है, तो उसके हिस्से में लाठीचार्ज, मुकदमे और जेल ही आते हैं। उन्होंने विभिन्न आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि पेपर लीक से परेशान युवाओं के विरोध का जवाब लाठियों से दिया गया। महिला पहलवानों के आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करने वाली खिलाड़ियों की आवाज़ को दबाने का प्रयास किया गया और उनके आंदोलन को कुचल दिया गया। इसी तरह, एक दुष्कर्म पीड़िता के समर्थन में इंडिया गेट पर हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन को भी हटाया गया।

युवा कांग्रेस द्वारा अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के विरोध का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को देश विरोधी बताकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों को और किसानों के आंदोलन को भी दमन का सामना करना पड़ा।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर ड्राइविंग लाइसेंस होगा रद्द : नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों का जीवन बचाने के लिए सरकार सुरक्षा कारणों की गहनता से पड़ताल कर रही है और इसमें रोड इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करते हुए शिक्षा तथा जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गडकरी ने गुरुवार को यहां हैबिटेट सेंटर में सीआईआई के तत्वावधान में आयोजित नेशनल कन्क्लेव ऑफ रोड सेफ्टी विषय पर अपने विचार पेश करते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल लाखों लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जाती है और उसे बचाना आवश्यक है इसलिए सड़क इंजीनियरिंग के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर सख्त रुख नियम बनाए जा रहे हैं। उनका कहना था कि शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं इसलिए इस नियम को ज्यादा सख्त किया जा रहा है और बार बार शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाने पर लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा।

पति-पत्नी बने विजय-रश्मिका तेलुगु रिवाज से पूरी हुई शादी

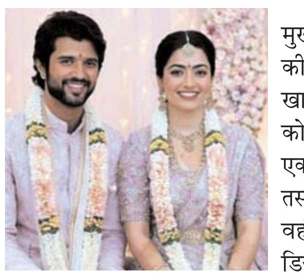

उदयपुर। रश्मिका मंदाना और हैंडसम हंक विजय देवरकोंडा ने अपनी लाइफ का नया चैप्टर शुरू किया। 26 फरवरी को उन्होंने उदयपुर के लैविश रिजॉर्ट में इंटीमेट सेरेमनी में शादी की. दोनों पति-पत्नी बन गए हैं। सुबह 8 बजे के मुहूर्त पर विजय के परिवार की आंध्रा रस्मों के हिसाब से शादी हुई। शाम के वक्त वधू पक्ष यानी रश्मिका के कोडावा रिवाजों से फेरे।

कोरियान ड्रामा से प्रेरित रही थीम

शादी की रस्में एक खास कोरियाई ड्रामा से प्रेरित थीम पर आधारित शाम के साथ शुरू हुई। यह थीम रश्मिका मंदाना के कोरियाई पॉप कल्चर के प्रति प्यार को दर्शाती हैं। रात का मुख्य आकर्षण कोरियाई ड्रामा की थीम पर आधारित एक खास केक था, जिसने समारोह को और भी खास बना दिया। एक ओर जहां फैंस शादी की तस्वीरों का इंतजार कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कॉस्ट्यूम डिजाइनर श्रव्या वर्मा ने हल्दी समारोह के दौरान की एक तस्वीर साझा की है। इसमें वो पीले रंग के आउटफिट में चेहरा पर रंग लगाए नजर आ रही हैं। उनके दोनों हाथों पर विरोश का टैग बंधा हुआ है। उनकी तस्वीर देखकर ऐसा लगता है कि हल्दी में जमकर मस्ती की गई है। विजय-रश्मिका की फिल्म गीता गोविंदम के निर्माता बन्नी वसू ने विरोश को शादी की शुभकामनाएं भेजी हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट किया है।

एनसीईआरटी के आपत्तिजनक अध्याय वाली पाठ्य पुस्तक पर सुप्रीम कोर्ट का प्रतिबंध '8वीं कक्षा में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार अध्याय पर कड़ी आपत्ति'

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की उस पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का संदर्भ दिया गया था। न्यायालय ने प्रचलन में मौजूद किताबों की प्रतियों को तुरंत जब्त करने का निर्देश दिया और इस संबंध में दो सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी।

न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह एनसीईआरटी के निदेशक और उन सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी जहां यह किताब पहुंची है। उन्हें अपने परिसर में मौजूद किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त कर सील करना होगा। शीर्ष अदालत ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संबंधित पुस्तक के आधार पर छात्रों को कोई निर्देश या शिक्षा न दी जाए। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आदेश का पालन करने और दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।

शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या बदले हुए शीर्षकों के जरिए इस आदेश का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश को अदालत की अवमानना और निर्देशों की सीधी अवहेलना माना जाएगा।

इससे पहले बुधवार को मुख्य न्यायाधीश ने पुस्तक की सामग्री पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि वह किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली पीठ ने इसे न्यायपालिका के खिलाफ एक गहरी साजिश करार दिया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और डॉक्टर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी अदालत के समक्ष इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर चिंता जताई थी और कहा था कि यह पूरी न्यायपालिका की छवि को खराब कर रही है।

कांकेर में महिला नक्सली मासे बारसा ने एके-47 के साथ किया आत्मसमर्पण

कांकेर। माओवादी डीवीसीएम मासे बारसा ने एके-47 के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2003 से दण्डकारण्य, अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर क्षेत्र में सक्रिय रही मासे ने संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

पत्रकार ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

जंगल क्षेत्र से निकलकर वह सीधे कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा के पास पहुंचीं और सरेंडर किया। बताया जा रहा है कि नारायणपुर के पत्रकार रौशन ठाकुर ने इस आत्मसमर्पण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मासे को सुरक्षित जंगल से बाहर लाकर कांकेर एसपी कार्यालय तक पहुंचाया। रौशन ठाकुर 'जोहार बस्तर- मावा नाटे मावा समाचार' से जुड़े हैं। बस्तर आईजी सुंदर राज पी और एसपी निखिल रखेचा ने कहा है कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को नियमानुसार सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना और अवसरों का विस्तार हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। नया रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कपिल देव को बेल मेटल से बनी प्रतिकृति, पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ कॉफी टेबल बुक भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने, आधुनिक खेल अधोसंरचना के विकास, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार द्वारा खेलों के प्रोत्साहन और खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना, प्रशिक्षण और अवसरों का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। पूर्व कप्तान कपिल देव ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास के इस माहौल में प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट मंच प्राप्त होगा तथा छत्तीसगढ़ सुरक्षित, समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा।

सीईओ ने पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक ली, 31 मार्च तक सभी अपूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत (सीईओ) श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने बेमेतरा, बेरला एवं नवागढ़ विकासखंड के पंचायत सचिवों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा तथा अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति पर गहन चर्चा करते हुए समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (क्क्ष्ठ-त्र) की प्रगति की सचिववार समीक्षा की गई। जिन पंचायतों में प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई, वहां कारणों की जानकारी लेते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वर्ष 2016 से 2023 तक स्वीकृत ऐसे आवास जो अब तक पूर्ण नहीं हुए हैं, उनके संबंध में नियमानुसार वसूली हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया गया। सीईओ ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्यों के मस्टर रोल (स्क्र) 30 मार्च से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपूर्ण आवासों एवं निर्माण कार्यों को हर हाल में 31 मार्च तक पूर्ण किया जाए। इसके लिए दैनिक मॉनिटरिंग एवं सतत समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में यह भी कहा गया कि जिन हितग्राहियों को पूर्व में राशि स्वीकृत की जा चुकी है, उनके प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए कार्य पूर्ण कराया जाए। वहीं ऐसे हितग्राही जो स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं अथवा योजना का लाभ लेने की स्थिति में नहीं हैं, उनके मामलों में राशि वापसी एवं स्वीकृति निरस्तीकरण की प्रक्रिया नियमानुसार पूर्ण की जाए, ताकि वास्तविक पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता मिल सके। मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत निजी एवं सार्वजनिक कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिन कार्यों की स्वीकृति हो चुकी है, उन्हें मार्च माह तक पूर्ण करने तथा अप्रारंभित कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन एवं विकास कार्यों में निरंतरता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक पंचायत के घरों में रिचार्ज पीट निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे भविष्य में गिरते भू-जल स्तर में सुधार लाया जा सके। साथ ही डीडीपी एवं अन्य संबंधित पोर्टलों में शत-प्रतिशत प्रविष्टि पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। पीएम-2डी सहित सभी योजनाओं की ऑनलाइन एंट्री समय पर अद्यतन करने के निर्देश दिए गए, ताकि योजनाओं की सटीक मॉनिटरिंग हो सके। सीईओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रगति के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन पंचायतों में एक माह से शून्य पूर्णता प्रगति दर्ज की गई है, उन्हें चेतावनी देते हुए आवश्यक कार्रवाई की बात कही गई। बैठक में जिला पंचायत के अधिकारी, जनपद पंचायत के कर्मचारी एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे। सभी ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर बैठक आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर की उपस्थिति में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की वर्तमान प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान बाल विवाह की रोकथाम हेतु ग्राम स्तर पर सतत निगरानी, जनजागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से विवाह सीजन के दौरान सतर्कता बढ़ाने, संदिग्ध मामलों की त्वरित सूचना देने तथा आवश्यकतानुसार तत्काल हस्तक्षेप सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। सीईओ ने निर्देशित किया कि स्कूलों, पंचायतों एवं ग्रामीण समुदाय के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। किशोरी बालिकाओं के पंजीयन, उनके स्वास्थ्य परीक्षण तथा शासकीय योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।बैठक में यह भी कहा गया कि बाल विवाह की रोकथाम केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों—जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, महिला समूहों एवं युवाओं—की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। अंत में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य को साकार किया जा सके।

नवीन कार्यालय स्थापना हेतु भूमि आबंटन पर दावा-आपत्ति आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग द्वारा नवीन कार्यालय भवन की स्थापना के लिए भूमि आबंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। प्रस्तावित कार्यालय हेतु ग्राम चोरभट्ठी, प.ह.नं. 28, तहसील एवं जिला बेमेतरा स्थित खसरा नंबर 572 के टुकड़ा रकबा 0.10 हेक्टेयर भूमि चिन्हांकित की गई है।उक्त भूमि के आबंटन के संबंध में यदि किसी संस्था, विभाग या अन्य संबंधित पक्ष को किसी प्रकार की दावा या आपत्ति प्रस्तुत करनी हो, तो वे नियत पेशी तिथि 11 मार्च 2026 तक तहसीलदार, न्यायालय तहसीलदार बेमेतरा (छत्तीसगढ़) के समक्ष स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भूमि आबंटन की प्रक्रिया पूर्णतः नियमानुसार एवं पारदर्शिता के साथ संपादित की जा रही है। दावा-आपत्ति प्राप्त होने की स्थिति में प्रकरण की सुनवाई कर नियमानुसार आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। संबंधित पक्षों से समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने की अपील की गई है, ताकि प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। उल्लेखनीय है कि नवीन कार्यालय की स्थापना से क्षेत्र में शासकीय कार्यों के संचालन को और अधिक सुव्यवस्थित एवं सुलभ बनाया जा सकेगा। इससे आम नागरिकों को योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। प्रशासन का प्रयास है कि प्रस्तावित कार्यालय भवन के निर्माण के माध्यम से नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं प्रदान की जा सकें।जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों से आग्रह किया है कि वे नियत तिथि तक अपनी आपत्तियां अथवा सुझाव प्रस्तुत कर प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें, जिससे आगामी कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण की जा सके।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सख्ती बढ़ी, नियमो के उलंघन की स्थिति में मान्यता समाप्ति की होंगी कार्यवाही

रायगढ़/मूक पत्रिका

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राव ने जिले के सभी अशासकीय विद्यालयों के संचालकों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राव ने कहा कि सभी निजी विद्यालय अपने यहां लागू गणवेश का नमूना विद्यालय परिसर में प्रदर्शित करेंगे। साथ ही सत्र 2026-27 में लागू पाठ्यक्रम की सूची भी सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से चस्पा की जाएगी। इसके अतिरिक्त सूचना पटल पर यह स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा कि विद्यार्थी गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकें खुले बाजार से कहीं से भी खरीद सकते हैं। किसी भी विद्यार्थी या पालक को किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली अधिसूचित फीस का मदवार विवरण सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जाए। साथ ही विभागीय मान्यता एवं संबंधित बोर्ड की संबद्धता की प्रति भी सार्वजनिक रूप से लगाई जाए, ताकि पालकों को पूरी पारदर्शिता मिल सके। डॉ. राव ने शिक्षा संहिता के अध्याय-6 की कंडिका 95 एवं 96 के अनुसार ही पाठ्यपुस्तकों का चयन करने के निर्देश दिए। चयनित पुस्तकों की सूची संबंधित बोर्ड से अनुमोदित कर सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के साथ उसकी एक प्रति जिला शिक्षा कार्यालय में जमा कराना भी अनिवार्य होगा। कंडिका 97 के तहत स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तन की निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कोई भी विद्यालय अपने नाम से कॉपी या किताबों का मुद्रण नहीं कराएगा और न ही किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए विद्यार्थियों को बाध्य करेगा। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी विद्यालय में नियमों के विपरीत स्थिति पाई जाती है तो संबंधित संस्था के विरुद्ध नियमानुसार मान्यता समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संस्था की स्वयं की होगी।

रायगढ़ पुलिस विभाग में भारी उलटफेर स्स्क्कशशि मोहन सिंह ने 11 अधिकारियों का किया तबादला

राकेश मिश्रा चक्रधर नगर थाना तो अभिनवकांत जूट मिल थाना प्रभारी बने कमला पुसाम को थाना कोतरा रोड प्रभारी बनाया गया

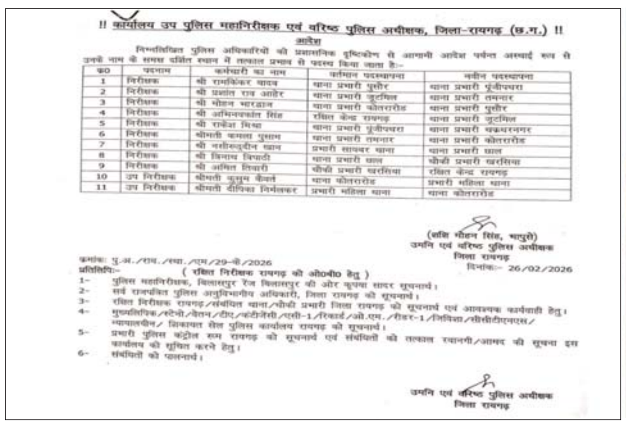
!! कार्यालय उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला-रायगढ़ (छ.ग.) !!

आदेश

क्र0	पदनाम	कर्मचारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1	निरीक्षक	श्री रामकिंकर यादव	थाना प्रभारी पुसौर	थाना प्रभारी पूंजीपथरा
2	निरीक्षक	श्री प्रशांत राव आहेर	थाना प्रभारी जूटमिल	थाना प्रभारी तमनार
3	निरीक्षक	श्री मोहन भारद्वाज	थाना प्रभारी कोतरारोड	थाना प्रभारी पुसौर
4	निरीक्षक	श्री अभिनवकांत सिंह	रक्षित केन्द्र रायगढ़	थाना प्रभारी जूटमिल
5	निरीक्षक	श्री राकेश मिश्रा	थाना प्रभारी पूंजीपथरा	थाना प्रभारी चक्रधरनगर
6	निरीक्षक	श्रीमती कमला पुसाम	थाना प्रभारी तमनार	थाना प्रभारी कोतरारोड
7	निरीक्षक	श्री नसीरुद्दीन खान	प्रभारी सायबर थाना	थाना प्रभारी छाल
8	निरीक्षक	श्री त्रिनाथ त्रिपाठी	थाना प्रभारी छाल	चौकी प्रभारी खरसिया
9	निरीक्षक	श्री अमित तिवारी	चौकी प्रभारी खरसिया	रक्षित केन्द्र रायगढ़
10	उप निरीक्षक	श्रीमती कुसुम कैवर्त	थाना कोतरारोड	प्रभारी महिला थाना
11	उप निरीक्षक	श्रीमती दीपिका निर्मलकर	प्रभारी महिला थाना	थाना कोतरारोड

(शशि मोहन सिंह, भापुसे)
उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला रायगढ़

दिनांक:- 26/02/2026

उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला रायगढ़

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिला पुलिस प्रशासन में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क्क) शशि मोहन सिंह ने आज एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत जिले के 11 पुलिस अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार, कई थानों के प्रभारियों को बदला गया है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से किए गए इस फेरबदल में निरीक्षक और उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल हैं।प्रमुख स्थानांतरण एक नज़र में: स्थानांतरित किए गए अधिकारियों की मुख्य सूची इस प्रकार है:निरीक्षक रामकिंकर यादव: थाना प्रभारी पुसौर से अब थाना प्रभारी पूंजीपथरा बनाए गए हैं।निरीक्षक प्रशांत राव आहेर: थाना प्रभारी जूटमिल से थाना प्रभारी तमनार भेजे गए हैं।निरीक्षक मोहन भारद्वाज: थाना प्रभारी कोतरा रोड से अब थाना प्रभारी पुसौर की कमान संभालेंगे। निरीक्षक अभिनवकांत सिंह: रक्षित केंद्र रायगढ़ से थाना प्रभारी जूटमिल नियुक्त किए गए हैं।निरीक्षक राकेश मिश्रा: थाना प्रभारी पूंजीपथरा से थाना प्रभारी चक्रधरनगर भेजे गए हैं।निरीक्षक कमला पुसाम: थाना प्रभारी तमनार से थाना प्रभारी कोतरा रोड बनाई गई हैं।निरीक्षक नसीरुद्दीन खान: प्रभारी साइबर थाना से अब थाना प्रभारी छाल होंगे।निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी: थाना प्रभारी छाल से चौकी प्रभारी खरसिया नियुक्त किए गए हैं।

निरीक्षक अमित तिवारी: चौकी प्रभारी खरसिया से रक्षित केंद्र रायगढ़ वापस बुलाए गए हैं।महिला पुलिस विभाग में बदलाव: उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त को कोतरा रोड से हटाकर प्रभारी महिला थाना बनाया गया है, वहीं दीपिका निर्मलकर को महिला थाना से थाना कोतरा रोड स्थानांतरित किया गया है।

तत्काल प्रभाव से लागू होगा आदेश–स्क्कशशि मोहन सिंह द्वारा जारी यह आदेश 26 फरवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारी तत्काल अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। इस फेरबदल को जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

धरमजयगढ़ वनमंडल में जमकर हुआ भ्रष्टाचार सबसे ज्यादा कीमत पर सीमेंट पोल क्रय किए गए

रायगढ़/मूक पत्रिका

वन विभाग अपने जंगलों की सुरक्षा के लिए सीमेंट पोल और फेंसिंग तार या जाली खरीदता है। अलग-अलग वनमंडलों में इसकी कीमतों में थोड़ा-बहुत अंतर तो आ सकता है लेकिन दोगुना तो नहीं हो सकता। धरमजयगढ़ वनमंडल में दोगुनी से भी ज्यादा दरों पर सीमेंट पोल खरीदे गए हैं। पारदर्शी सरकार को वनमंडलों में भ्रष्टाचार को रोकने में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। वन विभाग के काम जंगल में मोर नाचा किसने देखा की तर्ज पर ही होते हैं। कहां जंगल सुरक्षा पर कितना व्यय हुआ, वन्य प्राणियों के लिए कितने तालाब कहां बनाए गए कोई नहीं जानता। इसी तरह सामग्री क्रय में भी बहुत संदेहास्पद आंकड़े सामने आते हैं। वर्ष 2022 से जनवरी 2026 तक प्रदेश के वनमंडलों में खरीदे गए सीमेंट पोल और फेंसिंग तार या जाली की जानकारी सामने आई है। इसके हिसाब से धरमजयगढ़ वनमंडल में सबसे ज्यादा कीमत पर सीमेंट पोल क्रय किए गए हैं।चार सालों में रायगढ़ वनमंडल में 85954 पोल 1,86,56,000 रुपए में खरीदे गए, जिसमें प्रति पोल औसत कीमत करीब 217 रुपए होती है।

इसी तरह सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमंडल में इन चार सालों में 83056 पोल 2,52,10,000 रुपए (प्रति पोल 303 रुपए) में क्रय किए गए हैं। जांजगीर-चांपा में 78244 पोल 3,29,76,000 (प्रति पोल 421 रुपए) में, बिलासपुर में 34544 पोल 1,22,55,000 (प्रति पोल 354 रुपए) में क्रय किए गए। जबकि धरमजयगढ़ वनमंडल में इन चार सालों में 35007 पोल 1.69 करोड़ में खरीदे गए जिसमें प्रति पोल 482 रुपए का भुगतान किया गया। रायगढ़ और धरमजयगढ़ वनमंडल की तुलना करें तो कीमत में करीब ढाई गुना का अंतर है। यह बेहद गंभीर बात है कि जांजगीर-चांपा और धरमजयगढ़ वनमंडलों में सीमेंट पोल को बाकी जिलो से कहीं अधिक दरों पर खरीदा गया।

फेन्सिंग जाली की कीमतें भी अलग-अलग–जेम पोर्टल से खरीदने के लिए सरकार सभी विभागों को आदेश दे रही है। इसका उद्देश्य कम व्यय करना और एकरूपता लाना है। लेकिन वनमंडलों में निर्देश लागू ही नहीं होते। सीमेंट पोल की कीमतों में जमीन आसमान का अंतर है। हजारों किलो फेंसिंग तार भी खरीदे गए जिसमें रायगढ़ में 78 रुपए, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 72 रुपए, धरमजयगढ़ में 78 रुपए, बिलासपुर में 82 रुपए और जांजगीर-चांपा में 74 रुपए प्रति किलो की दर रही। इसमें भी अंतर लाखों रुपए में आ रहा है

तीन अलग-अलग स्थलों का दौरा, गुणवत्ता, समय-सीमा और जनसुविधा पर विशेष जोर

कलेक्टर ने बेरला विकासखंड के दूरस्थ ग्रामों में पीएमजीएसवाय अंतर्गत निर्माणाधीन पुल एवं सड़कों का किया सघन निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय से लगभग 28 कि.मी. दूर स्थित बेरला विकासखंड के चिन्हित ग्रामों में गुरुवार कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (क्क्ल्रस्ङ्घ) के अंतर्गत निर्माणाधीन वृहद पुलों एवं सड़क कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तकनीकी गुणवत्ता, प्रगति की स्थिति, निर्धारित समय-सीमा, सुरक्षा मानकों तथा परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले ग्रामों की कनेक्टिविटी पर गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित कार्यपालन अभियंता, उप अभियंता एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से ई-एमबी, स्वीकृत प्राक्कलन, स्पैन डिज़ाइन, एप्रोच रोड की प्रगति, मटेरियल क्वालिटी टेस्टिंग रिपोर्ट एवं कार्य पूर्णता लक्ष्य के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किए बिना समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

भाठासोरी-कुंहीगुड़ा-बचेडी मार्ग पर शिवनाथ नदी पर वृहद पुल निर्माण

नदी : शिवनाथ नदी
लंबाई : 280 मीटर
स्पैन : 07 (प्रत्येक 40 मीटर)
एप्रोच रोड : 846 मीटर

इस स्थल पर कलेक्टर ने पुल के पिलर कास्टिंग, गर्डर स्थापना एवं एप्रोच रोड के सबग्रेड कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि मानसून से पूर्व प्रमुख संरचनात्मक कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि आवागमन बाधित न हो। इस पुल के पूर्ण होने से क्षेत्र के कई ग्रामों को वर्षभर निर्बाध संपर्क मिलेगा तथा कृषि उपज के परिवहन में उल्लेखनीय सुविधा होगी।

गाड़ामोर-सिंगारडीह से बोहारडीह मार्ग (आर.डी. 5400 मी.) पर वृहद पुल निर्माण

नदी/नाला : बोहारडीह नाला नदी
लंबाई : 80 मीटर
स्पैन : 04 (प्रत्येक 40 मीटर)
एप्रोच रोड : 230 मीटर

यह पुल ग्रामीणों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, रिटेनिंग वॉल तथा सुरक्षा पैरापेट के प्रावधानों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा संकेतक बोर्ड एवं बैरिकेडिंग अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।

गाड़ामोर-सिंगारडीह से बोहारडीह मार्ग (आर.डी. 2100 मी.) पर वृहद पुल निर्माण

नदी/नाला : बोहारडीह नाला नदी
लंबाई : 60 मीटर
स्पैन : 03 (प्रत्येक 20 मीटर)
एप्रोच रोड : 250 मीटर

कलेक्टर ने इस स्थल पर प्रगति की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। पुल निर्माण से आपातकालीन सेवाओं—विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि परिवहन—को नई गति मिलेगी।

जनहित और विकास को मिलेगी नई दिशा-कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण अंचलों को सर्व-ऋतु संपर्क मार्ग से जोड़ना है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी कहा कि पुलों के पूर्ण होने से बरसात के दिनों में होने वाली आवागमन बाधा समाप्त होगी और विद्यार्थियों, किसानों तथा आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, तकनीकी अमला एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले में अधोसंरचना विकास की दिशा में यह निरीक्षण महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे ग्रामीण संपर्क मार्गों को सुदृढ़ कर विकास की रफ्तार को और तेज किया जाएगा।

27 फरवरी को होगी जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक, होली पर्व को लेकर व्यवस्थाओं पर होगी चर्चा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार, 27 फरवरी को शाम 5:30 बजे जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक पुराना रेस्ट हाउस स्थित मीटिंग हॉल में संपन्न होगी। बैठक में विभिन्न समाज एवं धर्म प्रमुखों, गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संघ विशेषकर होली सामग्री विक्रेताओं, पुलिस प्रशासन तथा बेमेतरा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरू्ररु) को उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। प्रशासन की ओर से थाना प्रभारी बेमेतरा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार बेमेतरा एवं एसडीओपी सहित संबंधित अधिकारी बैठक में मौजूद रहेंगे।बैठक का मुख्य उद्देश्य होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर समन्वय स्थापित करना है। साथ ही रंग एवं अन्य सामग्री की बिक्री के दौरान नियमों के पालन, शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अफवाहों पर नियंत्रण को लेकर भी चर्चा की जाएगी। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित पक्षों से अपेक्षा की गई है कि वे बैठक में अपने सुझाव रखें, ताकि सामूहिक सहयोग से त्योहार को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से भी आपसी भाईचारा एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में कुसमी में उग्र प्रदर्शन

पुतला दहन के दौरान पुलिस-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

कुसमी/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को शाम 4 बजे भारतीय युवा कांग्रेस के आव्हान पर एवं बलरामपुर जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के निर्देशानुसार, युवा कांग्रेस सामरी विधानसभा द्वारा कुसमी बस स्टैंड में प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की कथित अलोकतांत्रिक गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष मुजस्सम नजर की उपस्थिति एवं विधानसभा अध्यक्ष दीपक बुनकर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्काङ्कमुक्की भी हुई, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया।कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में देश के आर्थिक हितों से समझौता किया है। साथ ही, लोकतांत्रिक तरीके से किए गए विरोध प्रदर्शनों के बाद युवा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर देशभर में दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी को लेकर सामरी विधानसभा युवा कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी– नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत, सरपंच संघ अध्यक्ष संतोष इंजीनियर, जनपद सदस्य देवधन भगत,समाजसेवी सोमनाथ भगत, सामरी मंडल अध्यक्ष खसरु बुनकर, कुसमी मंडल अध्यक्ष पंकज दुबे, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद उरांव, पूर्व मंडी अध्यक्ष बालेश्वर लकड़ा, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष मुद्दसीर इराकी, पूर्व युवा कांग्रेस जिला सचिव सद्दाम खान, ब्लॉक अध्यक्ष मिथलेश गुप्ता, धीरजन उरांव, फरीद खान, प्रकाश भगत, वाहिद अली (पार्षद), अमरनाथ सोनवानी (पार्षद), पूर्व पार्षद ललित निकुंज, छत्रपति प्रजापति, इंद्रदेव यादव, जफर रहमानी, सीमांत भगत, रामेश्वर राम, देवलाल नायक, राजदेव एक्का, आकाश भगत, अनुज भगत, सूचित भगत, किशोर भगत, सूर्यप्रकाश सोनवानी, पंकज कुजूर, कृपा कुजूर एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस्तर में बड़ा झटका डीवीसीएम सहित तीन माओवादियों ने छोड़ी हिंसा की राह

25 लाख के 2 डीवीसीएम , 8 लाख की एक पार्टी सदस्य सहित तीन माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी के डीवीसीएम सदस्य मल्लेश एवं रानू पोडियाम ने कांकेर पुलिस और बीएसएफ के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। इनकी पहल एवं साझा जानकारी के आधार पर 25 फरवरी को 8 लाख इनामी महिला माओवादी कैडर पार्टी सदस्य मासे बारसा भी एके-47 रायफल के साथ आत्मसमर्पण किया। सभी ने हिंसा का रास्ता छोड़कर शासन की पुनर्वास नीति के तहत सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा जताई।पुलिस के अनुसार, लगातार संवाद, विश्वास निर्माण एवं पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप ये माओवादी मुख्यधारा में लौटे हैं।पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने इसे जिले में शांति स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को शासन की नीति के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।हिंसा छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने वाले माओवादियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत नियमानुसार सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में सक्रिय अन्य माओवादियों से भी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की गई है।जानकारी के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय लगभग 20 से 23 अन्य माओवादी कैडरों के भी जल्द ही हिंसा का रास्ता छोड़ आत्मसमर्पण करने के संकेत मिल रहे हैं। पुलिस द्वारा लगातार संपर्क और समझाइश की प्रक्रिया जारी है। आत्मसमर्पण से संबंधित औपचारिक एवं पुनर्वास प्रक्रिया आगामी दिनों में पूर्ण की जाएगी।

शकरतूँगा में भक्ति की गूंजः चौबीस प्रहरी नाम संकीर्तन का भव्य समापन

बरमकेला/मूक पत्रिका

शकरतूँगा ग्राम में आयोजित चौबीस प्रहरी नाम संकीर्तन का समापन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे 24 घंटे तक हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। गांव के कोने-कोने से कीर्तन प्रेमी जुटे और भक्ति रस में डूबकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विद्या किशोर चौहान, जनपद अध्यक्ष बरमकेला उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ते हैं। उन्होंने आयोजन समिति और ग्रामीणों की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में दीपमाला जांगड़े, कौशल्या पवन नायक, चंदा उज्ज्वल मिरी, विश्वदेव भोई, लक्ष्मी चरण सिदार, आनंद साव, अनिता प्रधान, शम्भूनाथ प्रधान, रजनी एक्का, राधा सिदार, तुलसी अभिमन्यु पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर संकीर्तन में सहभागिता निभाई और आयोजन को सफल बनाया। समापन अवसर पर आरती, प्रसाद वितरण एवं सामूहिक आशीर्वचन के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और आपसी भाईचारे का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। गांव में देर रात तक भक्ति की ध्वनि गूंजती रही और चौबीस प्रहरी नाम संकीर्तन ने शकरतूँगा की धरती को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

छुहिपाली से खोरिगांव तक गूंजा 'राधे-कृष्ण' का जयघोष

रुकमणि–कृष्ण विवाह उत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सागर

बरमकेला।/मूक पत्रिका

बरमकेला ब्लॉक अंतर्गत गांव छुहिपाली में आयोजित रुकमणि-कृष्ण विवाह महोत्सव ने पूरे क्षेत्र को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। भागवत कथा स्थल से सजी-धजी बारात ठीक रात्रि 12 बजे खोरिगांव के लिए रवाना हुई। कीर्तन शंखनाद और ÷राधे-कृष्ण÷ के जयघोष के बीच बारात का भव्य आगमन हुआ, जिसे देखने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे आयोजन स्थल पर दीप और आकर्षक सजावट ने माहौल को अलौकिक बना दिया।

इस भव्य धार्मिक आयोजन के सूत्रधार नीलम किशोर पटेल रहे, जिनके कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम अनुशासित और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। किशोर पटेल के निवास से तिलक नायक खोरिगांव के वास स्थल पर बारात निकली, जहां पहुंचते ही महाजन परिवार, तिलक नायक एवं समस्त ग्रामवासियों ने बारात का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत किया। फूलमालाओं, आरती और मंगलगीतों के साथ बारातियों का अभिनंदन किया गया। विवाह की रस्में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया–महिलाएं मंगलगीत गाती रहीं, तो युवाओं ने झांकी और आतिशबाजी से माहौल को और जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद वितरण एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि गांवों के बीच आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का भी संदेश दिया। देर रात तक भक्ति संगीत और उत्सव का सिलसिला चलता रहा, जिससे छुहिपाली और खोरिगांव क्षेत्र पूरी तरह कृष्णमय नजर आया।

ऑडिट में पिछड़ी पंचायतें, जनपद में 6 की रिपोर्ट लंबित, कम बजट और देर से राशि मिलने से ग्राम पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित

रायगढ़/मूक पत्रिका

जनपद अंतर्गत शामिल 84 ग्राम पंचायतों में 14 वे वित्त आयोग को लेकर अब भी 6 ग्राम पंचायतों की ऑडिट अधूरी है।जिनमें भातपुर,नौरंगपुर, लाखा,नवागांव, कोयलंगा सहित देलारी का नाम शामिल है।पेंडिंग ऑडिट रिपोर्ट को लेकर जनपद सी ई ओ द्वारा शेष सभी पंचायतों को मार्च अंत के पूर्व आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया है।पंचायतों को प्राप्त शासकीय राशि के सही उपयोग, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऑडिट बेहद आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। इसके माध्यम से जहां विकास कार्यों में खर्च की जांच होती है, वहीं अनियमितताओं पर रोक लगाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का भी मार्ग प्रशस्त होता है।

पंचायतों में विकास की राशि ऊट के मुंह में जीरा–गौरतलब है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को उनकी जनसंख्या और भौगोलिक आकार के आधार पर वित्तीय राशि आवंटित की जाती है। यह राशि सामान्यतः न्यूनतम लगभग 3 लाख रुपए या उससे अधिक हो सकती है। वहीं, मूलभूत आवश्यकताओं के लिए पंचायतों को औसतन 20 से 30 हजार रुपए तक की सीमित राशि ही उपलब्ध कराई जाती है। जिसकी वास्तविक स्थिति यह है कि इतनी अल्प राशि में ग्राम पंचायतों के समग्र अधोसंरचना विकास की कल्पना भी कठिन है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस राशि से कई पंचायतों में गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था तक सुचारू रूप से बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।ऐसे में सवाल उठता है कि जब मूलभूत जरूरतें ही पूरी नहीं हो पा रहीं, तो सड़क, बिजली, स्वच्छता और अन्य विकास कार्यों के लिए आवश्यक अतिरिक्त संसाधन आखिर कहां से जुटाए जाएं। यही कारण है कि पंचायत स्तर पर विकास कार्य अक्सर अधूरे रह जाते हैं या उनकी गति बेहद धीमी बनी रहती है।

15 वे वित्त की राशि सालभर बाद–ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न हुए लगभग एक वर्ष का समय बीत चुका है, लेकिन अधिकांश पंचायतों को 15वें वित्त आयोग की राशि हाल ही में, बीते सप्ताह के दौरान ही प्राप्त हो सकी है। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या बीते पूरे साल पंचायतों में वित्तीय संसाधनों के अभाव में विकास कार्य ठप पड़े रहे।जानकारी के अनुसार, पंचायत स्तर पर कई छोटे-बड़े कार्य जैसे पेयजल व्यवस्था, नाली निर्माण, मरम्मत कार्य और स्वच्छता संबंधी गतिविधियां नियमित फंड पर निर्भर रहती हैं। समय पर राशि उपलब्ध न होने से इन कार्यों की गति प्रभावित होना तय माना जाता है।राशि आवंटन में देरी के पीछे प्रशासनिक प्रक्रियाएं, तकनीकी स्वीकृतियां, उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा विभिन्न स्तरों पर फाइलों की स्वीकृति में लगने वाला समय प्रमुख कारण बताए जाते हैं। हालांकि, इस देरी का सीधा असर ग्रामीण विकास की रफ्तार पर पड़ता है, जिससे स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं में में बाधा उत्पन्न होती है। क्या कहते है सी. ई.ओ.सनत नायक जनपद रायगढ़= 6 ग्राम पंचायतों की ऑडिट रिपोर्ट आने शेष है।इन सभी पंचायतों को निर्धारित अवधि में ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देश दिए गए है।फरवरी के अंत तक रिपोर्ट पूरी करवा लीं जाएगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ की अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों की बजट 2026 में उपेक्षा : विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े

रायपुर/सारंगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बजट 2026 को लेकर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्रों में असंतोष उभर कर सामने आया है। सारंगढ़ विधानसभा की विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े ने आरोप लगाया है कि अनुसूचित जाति आरक्षित दोनों सीटों–सारंगढ़ और बिलाईगढ़–की बजट में अनदेखी की गई है, जिससे क्षेत्र के विकास कार्य प्रभावित होने की आशंका है।विधायक जांगड़े ने कहा कि नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के समुचित विकास के लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। उन्होंने बिंदुवार कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाते हुए सरकार पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। प्रमुख आपत्तियाँ एवं मांगें-जिले के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान नहीं किया गया।डोंगरपाली और कोसीर में महाविद्यालय प्रस्तावित होने के बावजूद बजट में राशि शामिल नहीं की गई।सरिया क्षेत्र को छोड़कर बरमकेला विकासखंड के लिए विकास मद में कोई विशेष प्रावधान नहीं।स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को जिला मुख्यालय के बजाय जिले के अंतिम छोर सरिया में खोलने का निर्णय युवाओं के साथ अन्याय बताया।जिला चिकित्सालय एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति हेतु बजट का अभाव।पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन निर्माण के लिए कोई आवंटन नहीं।जिला मुख्यालय में नर्सिंग कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज एवं कृषि कॉलेज जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों का प्रावधान नहीं।नए स्कूलों और छात्रावासों के निर्माण के लिए राशि का अभाव। मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद कोसीर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए बजट में स्थान नहीं।कृषि एवं सिंचाई के लिए किसी बड़ी परियोजना की घोषणा नहीं।बिजली बिल में राहत के लिए कोई प्रावधान नहीं।महतारी वंदन योजना में छूटे हुए नाम जोड़ने तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन को महतारी वंदन से जोड़ने से महिलाओं को प्रति माह ?500 की संभावित क्षति की भरपाई हेतु कोई बजटीय व्यवस्था नहीं।कर्मचारियों, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, रसोइयों एवं स्कूल सफाई कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने के लिए बजट में प्रावधान नहीं।विधायक जांगड़े ने कहा कि अनुसूचित जाति आरक्षित क्षेत्रों की लगातार उपेक्षा से जनता में निराशा का माहौल है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि अनुपूरक बजट में सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की जाए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं आधारभूत संरचना के विकास को गति मिल सके।

919 में सिर्फ 341 गांवों में ही योजना पूरी, 500 से अधिक गांव अब भी अधूरे

जल जीवन मिशन की सुस्त रफ्तार से गहराया संकट, गर्मी में गांवों में पेयजल के लिए मचेगी मारामारी

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में इस बार गर्मी के मौसम में पेयजल संकट केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी इसके विकराल रूप लेने की आशंका जताई जा रही है। इसका मुख्य कारण केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति और अधूरे कार्य हैं, जो समय पर पूरे नहीं हो सके हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले की 539 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 919 गांवों में इस योजना के तहत हर घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। हालांकि वर्तमान स्थिति यह है कि इनमें से केवल 341 गांवों में ही योजना की पूर्ण सुपुर्दगी हो सकी है। शेष 500 से अधिक गांवों में कार्य अधूरा है या योजना पूरी होने के बावजूद तकनीकी समस्याओं के कारण लोगों को नियमित पानी नहीं मिल पा रहा है।

अधूरी योजनाएं और सूखते जल स्त्रोत बने बड़ी समस्या–गौरतलब हो कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह पाइपलाइन बिछाने और टंकी निर्माण जैसे कार्य अधूरे हैं, वहीं जहां निर्माण कार्य पूरे भी हो चुके हैं, वहां बोर पंपों के सूखने से जलापूर्ति बाधित हो रही है।

इससे योजना का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई गांवों में आज भी लोग पारंपरिक जल स्त्रोतों या दूर-दराज के हैंडपंपों पर निर्भर हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, यदि शेष गांवों में जल्द ही योजना पूरी नहीं की गई तो आगामी गर्मियों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। भूजल स्तर गिरने और पारंपरिक जल स्त्रोतों के सूखने के कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है।जिसका खामियाजा घरेलू महिलाओं को उठाना पड़ता है।योजना को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जहां योजना को समय सीमा में पूरा करने के लिए तेज गति से काम होना चाहिए था, वहीं विभाग की कार्यशैली सुस्त नजर आ रही है। यही वजह है कि लक्ष्य से काफी पीछे होने के बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है।

बढ़ाई गई समयसीमा, लेकिन नहीं बढ़ी गति–जल जीवन मिशन को पहले वर्ष 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन कार्य की धीमी गति को देखते हुए इसकी समयसीमा बढ़ाकर 2028 कर दी गई है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर कार्य में तेजी नहीं दिख रही है, जो आने वाले समय के लिए चिंता का विषय है।स्थिति को देखते हुए आवश्यक है कि प्रशासन और संबंधित विभाग योजना के कार्यों में तेजी लाएं। साथ ही जिन क्षेत्रों में तत्काल जल संकट की आशंका है, वहां टैंकर सहित अन्य जलापूर्ति के साधो की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को भीषण गर्मी में पानी के लिए जूझना न पड़े।

क्या कहते है श्रीमती प्रतिभा नवरतन कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग–जल जीवन मिशन के तहत 539 ग्राम पंचायतों में शामिल 919 ग्रामों में 341 गांवों में योजना का कार्य पूर्ण कर उन्हें हैंड ओवर किया है चुका है।शेष कार्य में गति बढ़ाने निर्देशित किया गया है।

कोसीर(सारंगढ़)से 70 किलोमीटर पैदल चलकर पहुँचे गिरौदपुरी धाम

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ कोसीर अखिल भारतीय सतनाम सेना के ग्राम पंचायत उपाध्यक्ष संजय सतनामी , रहमान सतनामी,विरु सतनामी,मालिकराम सतनामी, ने कोसीर (सारंगढ़) से 70 किलोमीटर की इतनी लंबी दूरी पैदल तय करना न केवल शारीरिक क्षमता का प्रमाण है, बल्कि यह सतनाम सेना के सदस्यों की अटूट आस्था और अटूट संकल्प को भी दर्शाता है। कोसीर उपाध्यक्ष संजय सतनामी , रहमान सतनामी, विरु सतनामी, मालिकराम सतनामी अपने साथियों का यह सामूहिक प्रयास बहुत हि सराहनीय है। यह ?यात्रा ?अटूट आस्था का प्रतिक है । 70 किमी की दूरी तय करना बाबा गुरु घासीदास जी के प्रति गहरी श्रद्धा को दर्शाता है। ?सभी यात्रियों ने मिलकर यात्रा पूरी की, जो भाईचारे और एकता का एक सुंदर संदेश है। ?यात्रा का सुखमय रूप से पूर्ण होना बाबा गुरु घासीदास जी की कृपा और अनुशासन का परिणाम है। ?सतनाम पंथ के सिद्धांतों ÷मनखे-मनखे एक समान÷ को आत्मसात करते हुए 70 किलोमीटर कि पैदल यात्रा पुरी किये यह यात्रा समाज के लिए प्रेरणादायक है।

संपादकीय

दुनिया में गहराता जल संकट

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है। जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है।

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है। 'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं। पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

(सुशील कुमार)

मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है।गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही।

'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं: 'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो।

यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है।

महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा।

दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन करने वाले चीन और अमेरिका भी इसी में शामिल हैं। चीन ने वर्ष 2026 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस मामले में वह कितना खरा उतरेगा, कहना मुश्किल है। दूसरी

ओर, जर्मनी और स्वीडन जैसे देश 2045 तक, जबकि आस्ट्रिया, फिनलैंड और उरूग्वे ने अलग-अलग समय में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

कई देश वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं अमेरिका के अलावा ऐसे कई देश हैं जो इस मामले में कहीं आगे जाकर वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं। इस बीच सुखद यह है कि जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती के बीच भारत के वन क्षेत्र में वर्ष 2021 के दौरान तीन फीसद से अधिक बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर दूसरे देशों के मुकाबले कहीं अधिक चिंतित है। इस समय वह नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-26) में भारत ने इस मामले में अपना पक्ष रखा था। अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा को किसी भी तरह कम किया जाए। दूसरा यह कि अपनी 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से कैसे पूरा किया जाए। वहीं कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते जाना है।

इसके अलावा, वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तो है ही। हालांकि समय की कसौटी पर कौन कितना खरा उतरेगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को कितना नुकसान हुआ है, यह अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में हरित विकास पर जोर दिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी बनाना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

बजट में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी बड़ी राशि आबंटित की गई है और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रानिक वाहनों तथा परमाणु ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष के बजट में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की पहल दिखती है। हरित ऊर्जा गलियारा, परमाणु ऊर्जा पर जोर और हरित बुनियादी ढांचा- ये सब ऐसे संदर्भ हैं, जिस पर भारत 'पृथ्वी प्रथम' की नीति को महत्त्व देता है। जबकि कुछ ताकतवर देश अपनी नीतियों में 'देश प्रथम' को महत्त्व दे रहे हैं। नतीजा यह कि इसकी कीमत शेष देश चुका रहे हैं। भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां दुनिया भर के देश अगर किसी भी तरह जल्दी अथवा धीरे-धीरे ही सही कार्बन उत्सर्जन कम करने का संकल्प करें, तो न केवल पृथ्वी, बल्कि पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है। यह निराशाजनक ही है कि कार्बन उत्सर्जन पर लगाम के मुद्दे पर दुनिया के देशों में कागजी एकजुटता तो देखने को मिलती है, लेकिन जमीनी स्तर पर वे सार्थक पहल करते नहीं दिखते। वहीं विकसित और विकासशील देशों के बीच नाहक ही इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप चलता रहता है। सभी को सोचना होगा कि भौगोलिक सीमाओं में बेशक सभी देश बंटे हुए हैं, लेकिन धरती तो एक ही है और सभी को मिल कर उसे बचाना है। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि 'राष्ट्र प्रथम' की नीति लेकर नहीं, बल्कि वैश्विक सुशासन के साथ काम करना होगा। फिलहाल भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां हैं। अगर यह कार्बन उत्सर्जन पर सख्ती से कदम उठाता है, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। सच भी है कि अन्य विकसित और विकासशील देशों की तुलना में भारत कार्बन उत्सर्जन के मामले में संयमित देश है और यह अपने संकल्प को पूरा करने की कोशिश करता है। पश्चिमी राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बड़ी संख्या में राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' को काटे जाने और गांवों की चरागाह भूमि के अधिग्रहण का व्यापक स्तर पर विरोध होना कोई सामान्य घटना नहीं है। स्थानीय लोगों की ओर से इन दरख्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पारंपरिक चरागाहों के संरक्षण की मांग ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस सौर ऊर्जा को पर्यावरण हितैषी माना जाता है, क्या उसी के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना उचित है?

कुछ तो शर्म करते, हार के बाद दर्द में था पूरा देश, हंस रहे थे कप्तान सूर्यकुमार यादव

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार ने पूरे भारत को दर्द दिया, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दिखाया जैसे कुछ हुआ ही ना हो। वो शायद भूल गए कि उन्होंने

एक ऐसा मैच गंवाया है जिसकी वजह से वो सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक भी सकते हैं।

हंसना सेहत के लिए अच्छा है, खूब हंसिए, हमेशा हंसिए, लेकिन उस वक्त मत हंसिए जब पूरा देश दर्द में हो। ये हंसना सबकी तकलीफ और बढ़ा गया और ऐसा किया भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 के मैच के बाद जब सूर्यकुमार यादव प्रजेंटेशन के लिए मैदान पर आए वो तब भी हंस रहे थे मानो कुछ हुआ ही ना हो। मानो उनके हाथ कोई खजाना लग गया है।

वहीं भारत को हराने के बाद जब साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम प्रजेंटेशन में आए तब उनके चेहरे पर गंभीरता थी। वो चाहते तो सूर्यकुमार से ज्यादा हंस सकते थे, लेकिन वो गंभीर नजर आए मानो कह रहे हों कि अभी मिशन कंप्लीट नहीं हुआ है। अभी आगे का सफर बाकी है और उसके बाद ही हमारे लिए खुशियां आएंगी।

अब बात सूर्यकुमार यादव की कर लेते हैं। याद करिए अहमदाबाद में मुकाबले से पहले जब सूर्यकुमार यादव प्रेस कांफ्रेंस में आए थे तब वो पत्रकारों के सवालों का इस तरह से जवाब दे रहे थे मानो उनकी टीम के सामने कोई कुछ है ही नहीं। सवाल जब संजू सैमसन को टीम में जगह देने की हुई तो हंसते हुए कहा कि तो क्या अभिषेक और तिलक वर्मा को टीम से बाहर कर दें तो साहब साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने क्या कर लिया ये हम सबने देख लिया। सूर्यकुमार यादव मैच से पहले भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंसते हुए नजर आ रहे थे और वो खुद काफी आत्मविश्वास में नजर आए और उन्होंने खिलाड़ियों का पक्ष भी लिया। उस वक्त ये हंसी अच्छी लगी क्योंकि टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलना था, लेकिन जब मैच हुआ और भारत को टी20 वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी हार (रन के लिहाज से) मिली तब सूर्यकुमार की हंसी चुभी। अरे हारने के बाद कुछ तो गंभीर रहते इस बात के प्रति की हमें भी ये हार बुरी लगी है और हमें इससे निराशा मिली है। आप हंस के क्या दिखाना चाह रहे थे कि अरे इस हार का कोई असर हम पर नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। आप अब इस स्थिति में हैं कि सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं। ओवरऑल भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को सबसे पहले अपने अति आत्मविश्वास का त्याग करना होगा और अपनी कप्तानी को भी पॉलिश करनी होगी कि आपको किस स्थिति में क्या करना है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब भारतीय गेंदबाजो की पिटाई हो रही थी तब कप्तान को सूझ ही नहीं रहा था कि किसे गेंदबाजी के लिए लगाएं। अभी भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, लेकिन इसके लिए भारत को बेहद ठोस प्लान के साथ उतरना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीम भी अच्छी क्रिकेट खेल रही है।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है।

(उमेश चतुर्वेदी)

चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं।

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व- रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हर साल यूनेस्को किसी न किसी अहम विषय को ध्येय बनाता है और उस नजरिए से पूरे साल भाषाई विविधता को विकसित करने और उन्हें लागू करने पर जोर देता है। इस बार के ध्येय वाक्य से साफ है कि यूनेस्को चाहता है कि विश्व के सतत विकास में मातृभाषाओं की महत्ता को रेखांकित किया जाए। मातृभाषाएं एक तरह से भाषायी लोकतंत्र को रचती हैं। इस लोकतंत्र को बचाए बिना विविधरंगी संसार को नहीं बचाया जा सकता। सोचिए, अगर उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद और तकनीकी वर्चस्व की वजह से एक रस और एक भाषायी संसार तैयार हो जाए तो दुनिया कितनी नीरस होगी, ज्ञान के तमाम स्रोत तब या तो सूख चुके होंगे या फिर भुला दिए गए होंगे। इसलिए मातृभाषाओं को बचाना और उन्हें सांस्कृतिक लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में जिंदा रखना जरूरी हो जाता है। यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व ङ्क रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा-विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है। जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल

रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें।

मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है।

मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं।

दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं, इस लिहाज से वे समावेशी समाज के निर्माण में भी सहायक मानी जाती हैं। मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए। यह कार्य सार्वजनिक संस्थान और सरकारें ही कर सकती हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बीजापुर के विकास को नई उड़ान : मट्टीमरका में 110 करोड़ की सौगात

सिंचाई विस्तार और पर्यटन विकास से बदलेगी जिले की तस्वीर, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने जताया आभार

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। छत्तीसगढ़ विधानसभा में वर्ष 2026-27 के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट में बीजापुर जिले के लिए बड़ी घोषणा की गई है। जिले की जीवनरेखा मानी जाने वाली इन्द्रावती नदी के मट्टीमरका क्षेत्र में 110 करोड़ रुपये का बजट डायवर्सन स्वीकृत किया गया है। यह राशि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन अवसंरचना के विकास पर खर्च की जाएगी।वनांचल और आदिवासी बहुल बीजापुर के लिए इस प्रावधान को विकास की नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

सिंचाई को मिलेगा मजबूत आधार - मट्टीमरका परियोजना के तहत इन्द्रावती नदी के जल का बेहतर उपयोग कर आसपास के कृषि क्षेत्रों तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने की योजना है। इससे किसानों को सालभर खेती का अवसर मिलेगा और फसल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। लंबे समय से सीमित सिंचाई संसाधनों पर निर्भर ग्रामीण इलाकों को इससे सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलेगी और किसानों की आय में सुधार संभव होगा।

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम - बीजापुर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जिला है। घने जंगल, पहाड़ी भूभाग और नदी तट इसकी पहचान हैं। मट्टीमरका क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विकास से प्राकृतिक पर्यटन, ईको टूरिज्म और साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार होंगे और क्षेत्रीय बाजार को भी गति मिलेगी।

अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती - पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने इस बजट प्रावधान के लिए मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह राशि बीजापुर के चहुंमुखी विकास में अहम भूमिका निभाएगी। उनके अनुसार सिंचाई और पर्यटन दोनों क्षेत्रों में निवेश से जिले की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।

आदिवासी अंचल में नई उम्मीद - भौगोलिक चुनौतियों और संसाधनों की कमी के कारण अब तक विकास की रफ्तार सीमित रही है। ऐसे में 110 करोड़ रुपये का यह प्रावधान सामाजिक और आर्थिक बदलाव की ठोस शुरुआत साबित हो सकता है। स्थानीय नागरिकों में घोषणा को लेकर उत्साह है और उम्मीद जताई जा रही है कि परियोजना के धरातल पर उतरते ही बीजापुर आने वाले वर्षों में पर्यटन मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाएगा।वनांचल में विकास की यह पहल जिले को आत्मनिर्भर कृषि और उभरते पर्यटन केंद्र की दिशा में आगे बढ़ाने का आधार बन सकती है।

सपेरा बस्ती में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे का दोबारा दौरा

कलेक्टर ने सपेरा बस्ती के 40 परिवारों के पीएम आवास निर्माण का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने बुजुर्ग महिला बक्सा बाई और बच्चों से की बात

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया नगर पंचायत के समीप ग्राम पंचायत भीखमपुरा की सपेरा बस्ती में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बुधवार को दोबारा दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन प्रधानमंत्री सामूहिक आवास निर्माण का अवलोकन किया और पंचायत सीईओ को गुणवत्ता के साथ तय समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सपेरा बस्ती के लोग झोपड़ी बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं। कई परिवार 10म4 फीट की छोटी झोपड़ियों में रह रहे थे। अब इस बस्ती के 40 परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनका निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हितग्राही बुजुर्ग महिला बक्सा बाई से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवास निर्माण से होने वाले लाभ के बारे में चर्चा की। कलेक्टर ने सपेरा बस्ती के बच्चों से भी बातचीत कर उनकी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली। उन्होंने यह जाना कि कई बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र जा रहे हैं और कई स्कूल में अध्ययनरत हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बच्चों की नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास बनने के बाद सपेरा बस्ती के परिवारों को सुरक्षित और पक्का आवास मिलेगा, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर होगा। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों कोसफलता की कहानी -पानी की मांग को कलेक्टर ने बोर खनन कर किया पूरा, बस्ती के लोगों को दूर से पानी लाने की समस्या हुई खत्मपिछले दौरे में कलेक्टर को सपेरा बस्ती के लोगों ने पेयजल की समस्या बताई थी, जिसका निराकरण कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से बोर खनन कर किया है। इसके साथ ही बस्ती में बुनियादी सुविधाओं के तहत बाउंड्री वॉल का निर्माण भी कराया गया है, जिससे स्वच्छ और सुरक्षित आवासीय वातावरण तैयार हुआ है।

जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती प्रतिमा बरिहा ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) ङ्क जनपद पंचायत सारंगढ़ क्षेत्र क्रमांक 21 की सदस्य श्रीमती प्रतिमा बरिहा ने ग्राम सुवरगुड़ा के किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम सुवरगुड़ा (पंचायत देवगांव) के किसानों का ह्ष्ट्ररु हस्ताक्षर केड़ार मंडी में कराए जाने से किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूरी अधिक होने के कारण किसानों को समय और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, साथ ही आवागमन में भी कठिनाई हो रही है। श्रीमती प्रतिमा बरिहा ने मांग की है कि किसानों की सुविधा, सुरक्षा एवं हितों को ध्यान में रखते हुए ह्ष्ट्ररु हस्ताक्षर एवं धान खरीदी से संबंधित सभी प्रक्रियाएं भंडीसार मंडी में ही यथावत संचालित की जाएं। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र आवश्यक आदेश जारी कर किसानों को राहत प्रदान करने की अपील की है। इस संबंध में श्रीमती प्रतिमा बरिहा ने कहा कि ÷किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन को सकारात्मक पहल करनी चाहिए। भंडीसार मंडी में ही समस्त प्रक्रिया जारी रखना किसानों के हित में होगा।÷किसानों ने भी इस पहल का समर्थन करते हुए प्रशासन से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। जिसमें मुख्य रूप से शुभराम बरिहा किशन कुमार चौहान, हवेष बरिहा, हेमलाल बरिहा , खिकलाल यादव , पीतामाबर सिदार किसान सामिल थे।

खाकी पर कलंक : मासूम की मौत का 'सौदा' करने वाले SI और ASI गिरफ्तार

कोरिया/मूक पत्रिका

जिले से इंसानियत को झकझोर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक गरीब मजदूर परिवार अपने मासूम बेटे की डूबने से हुई मौत के सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि आरोप है—कानून के रखवालों ने उसी हादसे को 'कमाई' का जरिया बना लिया। एंटी करप्शन ब्यूरो (ष्टक्च) अंबिकापुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बचरापोड़ी चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक अब्दुल मुनाफ को 25,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामले में सहायक उप निरीक्षक गुरु प्रसाद यादव को भी साजिश और रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

हादसा जिसने जन्म दिया भ्रष्टाचार के आरोपों को-घटना की शुरुआत एक दुखद दुर्घटना से हुई। प्रार्थी सत्येन्द्र कुमार प्रजापति के घर पर ईंट निर्माण का काम चल रहा था। परिसर में खोदे गए गड्ढे में पानी भर गया था। वहीं काम कर रहे मजदूर मोहित घसिया के मासूम बेटे की कथित तौर पर उसी गड्ढे में डूबने से मौत हो गई।परिवार शोक में डूबा था, लेकिन आरोप है कि चौकी स्तर पर मामले की जांच को लेकर संवेदनशीलता दिखाने के बजाय अवैध वसूली का खेल शुरू हो गया।

जांच के नाम पर 'डर' और सौदेबाज़ी-प्रार्थी के मुताबिक, उस समय चौकी में पदस्थ एएसआई गुरु प्रसाद यादव ने जांच के नाम पर दबाव बनाया और केस को रफा-दफा करने के लिए 50,000 रुपये की मांग की। बातचीत के बाद कथित तौर पर 25,000 रुपये में 'सौदा' तय हुआ। हैरानी की बात यह कि गुरु प्रसाद यादव का तबादला होने के बाद भी रिश्वत का सिलसिला थमा नहीं। नए चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अब्दुल मुनाफ पर आरोप है कि उन्होंने पद संभालते ही 'अधूरा सौदा' पूरा करने की जिम्मेदारी ली और प्रार्थी को रकम लेकर चौकी बुलाया।

ACB का जाल और रंगे हाथों गिरफ्तारी-भ्रष्टाचार से तंग आकर प्रार्थी ने ष्टक्च अंबिकापुर से संपर्क किया। ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रैप की योजना बनाई। निर्धारित रणनीति के तहत जैसे ही सत्येन्द्र प्रजापति ने चौकी में उप निरीक्षक अब्दुल मुनाफ को 25,000 रुपये थमाए, घात लगाए बैठी ष्टक्च टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर एएसआई गुरु प्रसाद यादव को भी रिश्वत मांगने/साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।कानूनी कार्यवाही- आरोपीः उप निरीक्षक अब्दुल मुनाफ, सहायक उप निरीक्षक गुरु प्रसाद यादव धाराएंः भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (क्कष्ट) 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 (लोक सेवक द्वारा रिश्वत लेना) और धारा 12 (रिश्वत दिलाने/उकसाने में सहयोग) स्थितिः दोनों आरोपियों को विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर आगे की जांच जारी

सिस्टम पर सवाल, कार्रवाई से संदेश-यह मामला कई गंभीर सवाल खड़े करता है—क्या शोकाकुल परिवारों और आम नागरिकों के साथ जांच के नाम पर दबाव बनाना 'नियम' बनता जा रहा है?ष्टक्च की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है कि पद की गरिमा भूलकर अवैध वसूली करने वालों पर शिकंजा कसना तय है।

6 मार्च को इंदिरा विहार में होगा उत्कल ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह

रायगढ़ /मूक पत्रिका

उत्कल ब्राह्मण समाज सेवा समिति, रायगढ़ तहसील द्वारा उत्कल ब्राह्मण महिला समिति के नेतृत्व में 6 मार्च शुक्रवार को इंदिरा विहार में होली मिलन समारोह आयोजन का निर्णय लिया गया है। होली मिलन समारोह दोपहर 2 बजे से संध्या 6 बजे तक रखा गया है। होली मिलन समारोह में समाज के जिला भर के सदस्य परिवार सहित आमंत्रित हैं। आयोजन में गीत संगीत नाच गाना फाग गुलाल एवं विविध मनोरंजक गतिविधियों के साथ मस्ती भरा माहौल रहेगा। उत्कल ब्राह्मण समाज तहसील रायगढ़ के अध्यक्ष चित्रसेन शर्मा व महिला समिति के अध्यक्ष संजूक्ता पंडा ने संयुक्त बयान में बताया है कि आपसी प्रेम, सदभाव भाईचारा सामाजिक एकता एवं परिचयात्मक उद्देश्य से किया जा रहा यह कार्यक्रम समाज को सुदृढ़ करने में मिल का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान जलपान की विशेष व्यवस्था की जाएगी। समिति ने सभी समाज के बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

नगर पालिका कार्यालय में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक, सख्त निर्देश जारी

बेमेतरा - नगर पालिका कार्यालय में बीते गुरुवार एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बैठक नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन प्रणाली तथा स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों से प्राप्त शिकायतों, नालियों की नियमित सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता तथा सफाई कर्मियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। नगर अध्यक्ष ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है और स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से बाजार क्षेत्र, अस्पताल, विद्यालय, बस स्टैंड, मुख्य सड़कें एवं घनी आबादी वाले इलाकों में नियमित और प्रभावी सफाई अभियान चलाने पर जोर दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कचरा उठाव की प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित किया जाएगा तथा समयबद्ध तरीके से डोर-टू-डोर कलेक्शन सुनिश्चित किया जाएगा। नालियों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाने, जलभराव की समस्या को प्राथमिकता से दूर करने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने पर भी चर्चा की गई। साथ ही, सफाई कार्यों की निगरानी के लिए वार्ड स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए। नगर अध्यक्ष ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे कचरा इधर-उधर न फेंकें, निर्धारित स्थानों पर ही डालें और नगर पालिका के स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। बैठक के अंत में संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर अध्यक्ष ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे और आवश्यकतानुसार कठोर कदम भी उठाए जाएंगे। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, सभापति विकास तंबोली, सभापति नीतू कोठारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति कल्याण बजट पर बवालः गांडा समाज ने उठाई हक की आवाज, कहा -'हमारा हिस्सा कहाँ गया?'

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

अनुसूचित जाति कल्याण के नाम पर पेश किए गए बजट को लेकर गांडा समाज में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। समाज के लोगों का साफ कहना है कि जब बजट ÷अनुसूचित जाति कल्याण÷ के लिए है, तो फिर उसमें गांडा समाज और घसिया समाज को एक भी फूटी कौड़ी क्यों नहीं दी गई? आखिर किस आधार पर इन समुदायों को दरकिनार कर दिया गया? गांडा समाज ने स्पष्ट किया कि उन्हें सतनामी समाज के विकास से कोई आपत्ति नहीं है। ÷सतनामी समाज हमारे भाई हैं, उनके विकास से हमें खुशी है,÷ लेकिन सवाल यह है कि क्या अनुसूचित जाति के अन्य समाज इस बजट में शामिल नहीं हैं? अगर बजट समावेशी है तो फिर चयनात्मक लाभ क्यों? समाज के लोगों का आरोप है कि यह बजट संतुलित और न्यायसंगत नहीं है। उनका कहना है कि यदि अनुसूचित जाति के नाम पर बजट प्रस्तुत किया गया है तो उसमें सभी पात्र समाजों को समान अवसर और संसाधन मिलने चाहिए थे। केवल कुछ वर्गों को प्राथमिकता देकर बाकी समाजों को नजरअंदाज करना सामाजिक असंतोष को जन्म देता है।

गोपाल प्रसाद बाघे का तीखा बयान-गांडा चौहान समाज के कार्यकारी जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद बाघे ने इस बजट को ÷गांडा समाज विरोधी÷ करार दिया है। उनका कहना हैः÷अनुसूचित जाति कल्याण बजट हमारा अधिकार है, कोई एहसान नहीं। यदि बजट में गांडा समाज और घसिया समाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है, तो यह हमारे हक और अधिकार का सीधा हनन है। सरकार को बताना होगा कि आखिर हमें इस बजट से बाहर क्यों रखा गया?÷ उन्होंने आगे कहा कि समाज अब चुप नहीं बैठेगा। यदि जल्द ही स्थिति स्पष्ट नहीं की गई और न्यायसंगत संशोधन नहीं हुआ, तो गांडा समाज लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगा।

उठ रहे बड़े सवाल-क्या अनुसूचित जाति कल्याण बजट वास्तव में सभी वर्गों के लिए है? किन मानकों के आधार पर लाभार्थियों का चयन किया गया? गांडा और घसिया समाज को क्यों नहीं मिला हिस्सा? गांडा समाज का कहना है कि यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार का प्रश्न है। जब अधिकारों की बात आती है, तो समाज अब पीछे हटने वाला नहीं है। अब निगाहें सरकार और जनप्रतिनिधियों पर टिकी हैं—क्या वे इस आक्रोश को सुनेंगे, या फिर यह मुद्दा आगे और बड़ा आंदोलन बनेगा?

गांडा समाज ने साफ संदेश दिया है—÷हक की बात है, और हक लेकर रहेंगे।÷

ग्रामीणों से किया संवाद, जल जीवन मिशन के ठेकेदार का भुगतान रोकने दिया निर्देश..

अंतिम छोर के गांव सांकरा में खाट पर बैठकर कलेक्टर ने की रात्रिकालीन जनचौपाल

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के अंतिम छोर में ओड़िशा से घिरे जिले के गांव सांकरा में बुधवार को रात्रिकालीन जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। सरिया तहसील के इस गांव में जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण में खाट पर बैठक कर कलेक्टर ने चौपाल में लोगों से मुलाक़ात की, जिसमें जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, जिला एवं ब्लॉक स्तर के सभी विभागों के अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, एसडीएम सारंगढ़ वर्षा बंसल उपस्थित थीं। यह गांव जिला मुख्यालय से लगभग 54 किलोमीटर दूर स्थित है, जहाँ जनसंख्या 5500 से अधिक है। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीण सुबल दीवान ने कहा कि इतने दूरस्थ क्षेत्र में कलेक्टर का रात्रिकालीन चौपाल लगाकर समस्याएं सुनना सराहनीय पहल है। गांव में 6 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। जर्जर भवन के संबंध में प्रस्ताव की जानकारी ली गई और शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया गया। महतारी वंदन योजना से 1068 हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल (12वीं तक) में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की, शिक्षक अक्सर समय से पहले चले जाते हैं, इस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राथमिक स्कूल में पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण का भी आदेश दिया गया। कक्षा 5वीं के छात्र रोहन पातर ने कलेक्टर बनने की इच्छा जताई। इस पर कलेक्टर ने उसे प्रोत्साहित करते हुए खूब पढ़ाई करने की सलाह दी। चौपाल में कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान में गोदाम की कमी और खराब चावल वितरण की शिकायत पर पंचनामा कर चावल वापस करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 290 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें 245 पूर्ण हो चुके हैं और 45 अपूर्ण हैं। कलेक्टर ने बरसात से पहले सभी आवास पूर्ण करने की अपील की। उन्होंने बताया कि अब राशि तीन किश्तों में मिल रही है और किसी भी समस्या पर सचिव से संपर्क किया जा सकता है। जल जीवन मिशन के पाइप लाइन कार्य में सीसी रोड को गड्ढा कर, पुनः समतलीकरण नहीं करने की शिकायत पर कलेक्टर ने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कार्य के गुणवत्ता जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कार्य पूर्ण होने तक ठेकेदार का भुगतान रोका जाएगा। उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित है, जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग का प्रस्ताव भेजा गया है। दवाइयों की कमी की शिकायत पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि कैल्शियम टैबलेट की आपूर्ति शीघ्र होगी। गांव में 4 कुष्ठ रोगी चिन्हित हुए हैं। फाइलेरिया की दवा सभी को लेने की अपील की गई। 23 वर्षीय मीनाक्षी को बीपीएल सूची में नाम नहीं होने से पेंशन नहीं मिल रही है, जिसकी जांच के निर्देश दिए गए। दिव्यांग दिनेश कुमार दीवान को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश समाज कल्याण विभाग को दिए गए।गांव में लो वोल्टेज की समस्या बताई गई, 132 केवी ट्रांसफार्मर होने के बावजूद भूमि विवाद के कारण लाइन विस्तार नहीं हो पा रहा है। अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर जिला आबकारी अधिकारी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। सरपंच गोपीनाथ प्रधान ने बताया कि गांव में कई स्थानों पर शराब की बिक्री हो रही है। महिलाओं ने ग्राम संगठन सक्रिय नहीं होने की शिकायत की। इस पर जिला पंचायत सीईओ को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के सबसे दूरस्थ सांकरा गांव, ओड़िशा से घिरा है, जहां बुधवार को रात्रिकालीन जनचौपाल लगाया गया था। जिला एवं ब्लाक अधिकारी भी नागरिकों की मांग और समस्या से रूबरू हुए। इस पहल का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी जमीनी हकीकत जानना है। चौपाल में ग्रामीणों से मांग और शिकायत प्राप्त हुआ है जिसे गंभीरतापूर्वक जिला प्रशासन द्वारा निराकरण किया जाएगा। - कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी S26 सीरीज़, मिलेगा इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और AI का शानदार अनुभव

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज गैलेक्सी S26 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमेंकमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी AI अनुभव हैं जो लोगों के रोज़मर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सी S26, S26+ और S26 अल्ट्रा सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के AI फोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्क संभालते हैं, जिससे यूज़र्स सिर्फ़ परिणामों पर फोकस कर सकते हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्सपीरियंस (DX) डिविजन के हेड, टीएम रोह ने गैलेक्सी S26 सीरीज़ के साथ, हमने I को इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड मेंचुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ़ उन चीज़ों पर ध्यान दें जो मायनेरखती हैं। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला सिर्फ़7.9 mm का अल्ट्रा डिवाइस है और इसमें मोबाइल फोन में दुनिया का पहलाबिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया गया है। रोज़मर्रा की स्थितियों जैसेट्रांसिट, कैफ़ेऔर शेयर्ड जगहों के लिए डिज़ाइन किया गया प्राइवेसी डिस्प्ले, मोबाइल डिवाइस पर पहले कभी नहीं मिला – इसके हार्डवेयरऔर सॉफ्टवेयर मिलकर प्राइवेसी की रक्षा करते हैं और आपके व्यूइंग अनुभव पर भी कोई असर नहीं पड़ता। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा स्नैपड्रैगन0 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी से पावर्ड है — जो अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देताहै। इसमें सुपर फास्ट चार्जिंग 3.0 की भी खूबी है, जिससे फोन सिर्फ़30 मिनट में 75% तक चार्ज हो जाता है।

ट्राइडेंट ग्रुप ने 'विकसित भारत मिशन' के तहत देशव्यापी भर्ती अभियान शुरू किया

नई दिल्ली: भारत के प्रमुख औद्योगिक समूहों में से एक, ट्राइडेंट ग्रुप की मुख्य कंपनी ट्राइडेंट लिमिटेड ने एक बड़े भर्ती अभियान की घोषणा की है। कंपनी अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स के लिए 3,000 से अधिक'कर्मयोगियों' की नियुक्ति करेगी। यह पहल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मेंस्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने और देश में रोज़गार के नए अवसर पैदा करनेके राष्ट्रीय लक्ष्य का हिस्सा है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए ट्राइडेंट ग्रुप की ग्रुप सीएचआरओ, पूजा बी. लूथरा ने कहा, ट्राइडेंट में हमारा यह मानना है कि भारत के औद्योगिक विकासकी असली ताकत हमारी प्रतिभाएं हैं। इस भर्ती अभियान के ज़रिए हम न केवलअपने कार्यबल को मजबूत बना रहे हैं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार एक मजबूत मैन्युफैक्चरिंग ट्रांसफॉर्मेशन के जरिये राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन भी कर रहे हैं। व्यावसायिक विस्तार से परे, हमारा ध्यान बेहतर करियर बनाने, समुदायों कोमजबूत करने और भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी बनाने परकेंद्रित है। इस पहल के तहत ऑपरेटर, बुनकर, सिलाईकर्मी, फिटर, इलेक्ट्रीशियन औरमल्टीपल टेक्निकल व ऑपरेशनल पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उम्मीदवारों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यता और संबंधित उद्योग अनुभव केआधार पर होगा। ट्राइडेंट ने अनुभव और हुनर को सम्मान देने के लिए एक विशेषवेतन प्रारुप तैयार किया है। 2-3 वर्ष तक के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स को25,000 प्रति माह, 3 से 5 वर्ष के अनुभव वाले उम्मीदवारों को 36,000 प्रतिमाह और 5 से 7 वर्ष के अनुभव वाले विशेषज्ञों को 50,000 प्रति माह का वेतनदिया जाएगा।

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर लेकर आया मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट

भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी। इस एडिशन में फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल श्रेणियों में 20,000 से अधिक इंटरनेशनल और मेड-इन-इंडिया ब्रांड्स के 6 मिलियन से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे। जिन ब्रांड्स की मांग ज्यादा रहने की उम्मीद है, उनमें एचएंडएम, नाईक, मैंगो, लेवीज़, यू.एस. पोलो एसोसिएशन, अनूक, लिबास, स्काईबैग्स, सेरावे, बाथ एंड बॉडी वर्क्स और मैक शामिल हैं। मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट के तीसरे एडिशन के बारे में बात करते हुए, मिंत्रा के कैटेगरी और रेवेन्यू हेड, रितेश मिश्रा ने कहा, 'मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट देश में लाखों लोगों के साथ अपने सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हमारी एक खास ईवेंट है। मिंत्रा के 19 वर्ष पूरे होने पर, हम अपने ग्राहकों के प्यार और हजारों ब्रांड पार्टनर्स के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिन्होंने देश में फैशन के परिदृश्य में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका निभाई है।

जहाँ हम ई-कॉमर्स के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते जा रहे हैं, वहीं हमारा ध्यान एक्सिलेंस बढ़ाते रहने और फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल शॉपिंग में आधुनिक ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने पर केंद्रित रहता है।'

कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक सम्पन्न

जनगणना की तैयारी और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज आयोजित टीएल बैठक में जिले में आगामी गर्मी के मद्देनज़र पेयजल व्यवस्था, प्रस्तावित जनगणना की तैयारियों, जल संरक्षण कार्यों, न्यायालयीन प्रकरणों तथा शिकायत निवारण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित पेयजल संकट वाले ग्रामों की अग्रिम पहचान की जाए। गत वर्ष जिन क्षेत्रों में जल समस्या उत्पन्न हुई थी, उन्हें विशेष निगरानी में रखा जाए। आवश्यकतानुसार टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, किन्तु टैंकर से सीधे वितरण न करते हुए सार्वजनिक स्थलों पर सिम्प्लेक्स टैंक स्थापित कर उन्हें नियमित रूप से भरा जाए, जिससे लोग सुव्यवस्थित रूप से पानी प्राप्त कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में 15वें वित्त आयोग की उपलब्ध राशि का उपयोग पेयजल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आगामी मई माह में प्रस्तावित जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना का कार्य पूर्णतः शुद्ध, त्रुटिरहित

एवं गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, क्योंकि यह नीति निर्माण एवं विकास योजनाओं का आधार है। उन्होंने नागरिकों से सही एवं सटीक जानकारी दर्ज कराने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के शिक्षकों को मुख्य रूप से प्रगणक एवं सुपरवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह कार्य निर्वाचन की भांति अनिवार्य है,जिसे न स्थगित किया जा सकता है और न ही टाला जा सकता है। कलेक्टर ने जी रामजी योजना के अंतर्गत जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्ताव तत्काल तैयार कर स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि ग्रीष्मकाल में कार्य प्रारंभ किए जा सकें। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों में तालाबों की मिट्टी का उपयोग करने को कहा ताकि तालाब गहरा हो जाए और जल ग्रहण क्षमता बढ़े। उन्होंने साथ ही विद्यालयों में निर्माणाधीन शौचालयों को 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। शासकीय सामग्री की खरीदी में भंडार क्रय नियमों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रतिबंधित वस्तुओं की खरीदी न किए जाने पर विशेष बल दिया गया। विधानसभा सत्र प्रारंभ होने के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर ने कहा कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक, सटीक एवं समयबद्ध रूप से प्रस्तुत किए जाएं। हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों एवं जनहित याचिकाओं का जवाब दावा समयसीमा में प्रस्तुत करने तथा माननीय न्यायालय के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी अधिकारी-कर्मचारियों को आईगॉट प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गोपनीय चरित्रावली लेखन के दौरान इसे भी ध्यान में रखा जाएगा। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीएम पोर्टल एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर दिया। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

25 लाख की सुपारी का खुलासा बेलतरा में सियासत गरम:अंकित

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने विकास के नाम पर वोट दिया था, लेकिन आज क्षेत्र की पहचान कुछ नेताओं की वजह से दागदार हो रही है। जब क्षेत्रीय विधायक और पदाधिकारी ही गंभीर आरोपों में घिर जाएं, तो सवाल सिर्फ व्यक्ति पर नहीं पूरी राजनीतिक संस्कृति पर उठता है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में यह बेहद गंभीर मामला है कि भारतीय जनता पार्टी के बेलतरा पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजू सोनकर का नाम एक गंभीर आपराधिक प्रकरण में सामने आया है जो बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के करीबी माने जाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकिशोर नगर वसंत विहार स्थित एक ज्वेलर्स संचालक पर हुए प्राणघातक हमले और लूटकांड की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बिलासा गुड़ी में पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी दी कि गिरोह केवल लूट और चोरी ही नहीं, बल्कि शहर के चर्चित सब्जी कारोबारी एवं नगर निगम के भाजपा पार्षद बंधु मौर्य की कथित सुपारी किलिंग की साजिश में भी शामिल था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 25 लाख रुपये में सुपारी लेने की बात स्वीकार की है, जिसमें 6 लाख रुपये एडवांस के रूप

में लिए गए थे। इस मामले में कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपराध पर चुप्पी क्यों ? नेतृत्व जवाब क्यूं नहीं देता। बेलतरा विधानसभा में हालात गंभीर हैं। इस घटना से क्षेत्र कलंकित हुआ है। जिले में दहशत का माहौल है, व्यापारी डरे हुए हैं और जनता असमंजस में है। जब सत्ताधारी पार्टी के मंडल अध्यक्ष राजू सोनकर ने ही भाजपा के वरिष्ठ नेता की हत्या की सुपारी देने जैसी साजिश रची। ऐसी स्थिति में सवाल सीधे तौर पर बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला से है, वे अब कहां हैं ?

यज्ञभाव से दायित्व,संकल्प से संस्थान:कुलपति आचार्य वाजपेयी की पुनः कार्यारंभ प्रतिज्ञा......

बिलासपुर । प्रशासनिक औपचारिकताओं की प्रतीक्षा के बीच दायित्वों की सतत साधना का संदेश देते हुए अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में सोमवार का प्रातःकाल एक विशेष आध्यात्मिक वातावरण का साक्षी बना। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन की सुगंध और तमसो मा ज्योतिर्गमय के उदात्त भाव के साथ कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने विश्वविद्यालय परिवार के मध्य अपने कर्तव्य-पथ पर अविराम अग्रसर रहने का संकल्प दोहराया। नवीन कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया अपने विधिसम्मत चरणों में अग्रसर है। ऐसे समय में संस्थागत निरंतरता और शैक्षणिक अनुशासन अक्षुण्ण रहे—इसी भावना के साथ वर्तमान कुलपति अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। भारतीय परंपरा में कहा गया है—

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन—अर्थात कर्म ही हमारा अधिकार है, फल की चिंता नहीं। इसी कर्मयोग की भावना ने प्रशासनिक औपचारिकताओं से परे विश्वविद्यालय के संचालन को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखा है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में एक गरिमामय, संयमित और प्रेरणादायी वातावरण उपस्थित रहा। शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता ने यह संकेत दिया कि संस्था केवल भवनों से नहीं, बल्कि सामूहिक विश्वास और उत्तरदायित्व से निर्मित होती है। इस अवसर पर कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने कहा, विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, यह मूल्य, परंपरा और राष्ट्रनिर्माण का प्राण-स्थान है। जब तक दायित्व मेरे हाथों में है, मैं इसे यज्ञ मानकर निभाऊँगा। हमारी प्राथमिकता शैक्षणिक गुणवत्ता, शोधोन्मुख दृष्टि और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को और सुदृढ़ करना है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा गोंदिया जबलपुर दोहरी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति

- 5,236 करोड़ की लागत से 231 किलोमीटर रेलखंड का दोहरीकरण, क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की गोंदियाङ्कजबलपुर दोहरी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है । इस परियोजना की अनुमानित लागत ?5,236 करोड़ है तथा इसे 5 वर्षों की अवधि में पूर्ण किया जाएगा । गोंदियाङ्कजबलपुर दोहरीकरण परियोजना गोंदिया पर हावड़ाङ्कमुंबई उच्च घनत्व रेल मार्ग तथा जबलपुर

पर इटारसीङ्कवाराणसी उच्च उपयोगिता रेल मार्ग को जोड़ती है । यह प्रयागराज एवं वाराणसी से चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद की ओर सबसे छोटा रेल मार्ग उपलब्ध कराएगी, जिससे उत्तरङ्कदक्षिण रेल संपर्क को सुदृढ़ता मिलेगी । परियोजना का विवरण एवं प्रमुख विशेषताएँ रेलखंड लंबाई: 231 किलोमीटर जिले: गोंदिया (महाराष्ट्र), जबलपुर, मंडला, सिवनी एवं बालाघाट (मध्य प्रदेश) वन्यजीव संरक्षण: वन्यजीव अंडरपास एवं फेंसिंग के लिए ?450 करोड़ का प्रावधान परियोजना से होने वाले प्रमुख लाभ यात्री एवं मालगाड़ियों के संचालन में वृद्धि तथा रेल क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार प्रमुख तीर्थ स्थलों—अयोध्या धाम, वाराणसी, प्रयागराज, रामेश्वरम, मदुरै आदि—के लिए बेहतर एवं सुगम रेल संपर्क प्रमुख पर्यटन स्थलों—कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच टाइगर रिज़र्व, कचनार शिव मंदिर, गांगुलपारा बाँध, धुआंधार जलप्रपात आदि—तक आसान आवागमन विद्युत संयंत्रों, आयुध निर्माणी, खनन क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों को बेहतर रेल सुविधा अतिरिक्त माल परिवहन क्षमता: 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष पर्यावरणीय लाभ: प्रति वर्ष लगभग 16 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी, जो लगभग 63 लाख वृक्षारोपण के समतुल्य है परिवहन लागत में बचत: लगभग ?350 करोड़ प्रतिवर्ष रोज़गार सृजन: लगभग 78 लाख मानव-दिवस प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत नियोजित यह परियोजना एकीकृत योजना एवं बहुआयामी संपर्क को सुदृढ़ करेगी ।

बजट 2026-27 छत्तीसगढ़ के आधुनिक विजन का बजट : अमर अग्रवाल

- किसान, युवा, महिला और अधोसंरचना पर फोकस से बढ़ेंगे विकास और रोजगार के अवसर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 1.72 लाख करोड़ के राज्य बजट को छत्तीसगढ़ के आधुनिक विजन का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत सरकार का तीसरा बजट संकल्प थीम पर आधारित है, जिसमें किसानों, युवाओं, महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना पर विशेष जोर दिया गया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह बजट नीति, न्याय, निवेश, निर्माण और नवाचार—इन पाँच मूल स्तंभों पर आधारित है, जो राज्य के समग्र और संतुलित विकास की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए अनेक राहतकारी प्रावधान किए गए हैं। कृषि पंपों को निःशुल्क बिजली, कृषक उन्नति योजना, डेयरी एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहन जैसे कदम किसानों की आय वृद्धि में सहायक सिद्ध होंगे। किसानों के खातों में अब तक ?1.40 लाख करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने हेतु ष्टत्र ष्टश्व योजना के लिए ?33 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उड़ान योजना के अंतर्गत हृश्वश्वञ्ज, छ्वश्वश्व एवं ष्टरुञ्ज, शिखर योजना के तहत क्लस्ट एवं ष्टत्रक्लस्ट तथा मंजिल योजना के माध्यम से बैंकिंग, स्स्ष्ट एवं रेलवे परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालयों के लिए 100 करोड़, विश्वविद्यालयों के लिए 731 करोड़ तथा एजुकेशन सिटी की स्थापना के लिए 100 करोड़ का प्रावधान युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएगा। राज्य सरकार द्वारा पाँच बड़े मिशन प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक के लिए प्रतिवर्ष 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इनमें मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन, मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन तथा मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन शामिल हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि 23 नए औद्योगिक पार्कों के लिए 250 करोड़ तथा उद्योग निवेश सब्सिडी के लिए 750 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वन विभाग में 1000 भर्तियाँ एवं बस्तर फाइटर्स के 1500 पद युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगे। रोजगार आधारित सेक्टरों के लिए 100 करोड़ का विशेष प्रावधान भी किया गया है। अधोसंरचना विकास के लिए लोक निर्माण विभाग को 9,450 करोड़, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए 4,000 करोड़, नगर निगम विकास हेतु 750 करोड़ तथा मुख्यमंत्री सड़क योजना के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

जनदर्शन में कलेक्टर अग्रवाल ने सुनीं सैकड़ों फरियादें,त्वरित निराकरण के दिए निर्देश.........

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जनदर्शन में आम नागरिकों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोग बिना किसी औपचारिकता के कलेक्टर से मिले और अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में तखतपुर विकासखंड के ग्राम चनाडोंगरी की महिला गंगोत्री बाई ने आवेदन देकर बताया कि उनकी लगभग 20 डिसमिल भूमि चार दशक पूर्व घोंघा जलाशय में डूब क्षेत्र में समा गई, किंतु आज तक मुआवजा नहीं मिला। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता को प्रकरण भेजते हुए परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर के ग्राम पत्थर्रा की सरपंच ज्योति गोस्वामी ने जर्जर हो चुके मिडिल स्कूल भवन के स्थान पर नए भवन के निर्माण की मांग रखी। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बिल्हा विकासखंड के ग्राम मदनपुर की श्रमिक महिला सरिता बाई ने मनरेगा के तहत पिछले वर्ष किए गए 15 दिनों के कार्य की लगभग 5 हजार रुपए मजदूरी बकाया होने की शिकायत की। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को मामले का परीक्षण कर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। जनदर्शन में मस्तूरी के सुकुलकारी ग्राम के रोजगार सहायक के विरुद्ध सरकारी राशि से निजी भूमि पर बोर खनन कराए जाने की शिकायत भी प्रस्तुत की गई। इस पर भी जांच के निर्देश दिए

गए। गढ़ कलेवा का संचालन करने वाली महिला समूह ने भोजन पैकेट का भुगतान लंबित होने की शिकायत की, जिस पर जिला पंचायत सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। हरदी कला के किसान मुरली प्रसाद साहू ने गरमी फसल हेतु सोसायटी द्वारा खाद उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत की। कलेक्टर ने उप पंजीयक सहकारिता को तत्काल खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मस्तूरी निवासी श्रीमती लक्ष्मीबाई, जो भूतपूर्व सैनिक की पत्नी हैं, ने बताया कि वर्ष 2021 में उनके पति के निधन के बाद उन्हें मकान निर्माण हेतु 5 डिसमिल भूमि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। कलेक्टर ने प्रकरण एसडीएम मस्तूरी को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ढेका बाईपास सड़क निर्माण से प्रभावित किसानों ने फल-सब्जियों की क्षति का आकलन कर मुआवजा दिलाने की मांग रखी। कलेक्टर ने आवेदन एसडीएम बिलासपुर को भेजते हुए जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे तथा जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल की।

रचिन रवींद्र को 4 विकेट, सैंटनर ने 47 रन बनाए

श्रीलंका टी-20 वर्ल्डकप से बाहर: न्यूजीलैंड ने 61 रन से हराया

कोलंबो। न्यूजीलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के छठे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 169 रन का टारगेट दिया है। जवाब में श्रीलंका ने 19.4 ओवर में 8 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। दुष्मंथा चमीरा क्रीज पर हैं।

दुनिथ वेल्लालागे (29 रन) को ग्लेन फिलिप्स ने रचिन रवींद्र के हाथों कैच कराया। कामिंडु मेंडिस (31 रन) को मिचेल सैंटनर ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया।

रचिन रवींद्र ने दुषन हेमंथ (3 रन), दसुन शनाका (3 रन), कुसल मेंडिस (जीरो) और पवन रत्नायके (10 रन) के विकेट झटके। मैट हेनरी ने पथुम निसांका (जीरो) और चरिथ असलंका (5 रन) को पावरप्ले में आउट किया।

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 168 रन बनाए। टीम ने 84 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे।

यहां से कप्तान मिचेल सैंटनर और कोल मैकॉन्ची ने 47 बॉल पर 84 रन की साझेदारी करके टीम को 160 पार पहुंचा दिया। यह न्यूजीलैंड की ओर से 7वें विकेट के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी साझेदारी है। सैंटनर ने 26 बॉल पर 47 रन बनाए। जबकि मैकॉन्ची 31 रन बनाकर नाबाद लौटे। श्रीलंका के महीश तीक्षणा और दुष्मंथा चमीरा ने 3-3 विकेट झटके। एक विकेट दुनिथ वेल्लालागे के हिस्से में आया।

श्रीलंका का स्कोर 100 रन पहुंचा

श्रीलंका ने 18वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। दुनिथ वेल्लालागे ने ग्लेन फिलिप्स के ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लेकर टीम को ट्रिपल डिजिट तक पहुंचाया।

श्रीलंका ने 7वां विकेट गंवाया, कामिंडु मेंडिस आउट

15वें ओवर की आखिरी बॉल पर श्रीलंका ने 7वां विकेट गंवाया। कामिंडु मेंडिस (31 रन) को मिचेल सैंटनर ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया।

ब्रीफ न्यूज

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

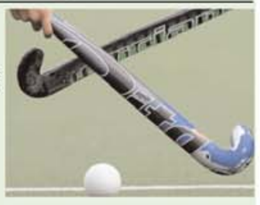

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम

प्रिटोरिया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा।

16 साल पहले आज ही सचिन ने लगाया था दोहरा-शतक

उनके बाद 4 भारतीयों ने डबल सेंचुरी लगाई; रोहित के नाम सबसे बड़ा स्कोर

मुंबई। आज ही के दिन 16 साल पहले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इतिहास रचा था। 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सचिन वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इस ऐतिहासिक पारी में सचिन ने 147 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 200 रन बनाए। यह वनडे इतिहास का पहला ही दोहरा शतक था।

सईद अनवर का रिकॉर्ड तोड़ा था

वनडे क्रिकेट में सचिन से पहले 2 बैटर्स 194 तक पहुंचे थे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अनवर ने 1997 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ही 194 रन बनाए थे। 2009 में फिर जिम्बाब्वे के चार्ल्स कॉवेंट्री ने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 194 रन की पारी खेली थी।

सचिन ने 5 बार 150+ का स्कोर बनाया

सचिन ने वनडे इंटरनेशनल में 5 बार 150 या उससे ज्यादा के स्कोर बनाए। डबल सेंचुरी के अलावा सचिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 186, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 175, न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 163 और नामीबिया के खिलाफ 152 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा 2013 से 2017 के बीच 3 डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। 264 रन उनका बेस्ट स्कोर है, जो उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। यह वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। ईशान ने बांग्लादेश और शुभमन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ डबल सेंचुरी लगाई।

5 विदेशी खिलाड़ियों ने भी डबल सेंचुरी लगाई

वनडे में अब तक 5 विदेशी बैटर्स ने भी दोहरा शतक लगाया है। न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल ने वर्ल्ड कप 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वेलिंग्टन के मैदान में नाबाद 237 रन बनाए थे। वे वर्ल्ड कप में डबल सेंचुरी लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने थे। इसके बाद क्रिस गेल ने उसी वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ कैनबरा में 147 गेंद पर 215 रन बनाए थे। इस पारी में क्रिस गेल में ने 16 छक्के लगाए थे। वहीं पाकिस्तान के फखर जमान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2018 में बुलवायो के मैदान पर नाबाद 210 रनों की पारी खेली थी।

सचिन तेंदुलकर

200* रन

गेंद 147 | 4/6- 25/3

स्ट्राइक रेट 136.05

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले विदेशी

बैटर्स	रन	बनाम	कहां	साल
मार्टिन गप्टिल	237*	WI	वेलिंगटन	2015
क्रिस गेल	215	ZIM	कैनबरा	2015
फखर जमान	210*	ZIM	बुलवायो	2018
ग्लेन मैक्सवेल	201*	AFG	वानखेड़े	2023
पाथुम निसांका	210*	AFG	पल्लेकेले	2024

5 भारतीय दोहरा शतक लगा चुके

भारत की ओर से वनडे क्रिकेट में अब तक 5 बैटर्स डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, ईशान किशन और शुभमन गिल शामिल हैं। सचिन के बाद सहवाग ने 2011 मं वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रन बनाए थे।

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले भारतीय

बैटर्स	रन	बनाम	कहां	साल
सचिन तेंदुलकर	200*	SA	ग्वालियर	2010
वीरेंद्र सहवाग	219	WI	इंदौर	2011
रोहित शर्मा	209	AUS	बेंगलुरु	2013
रोहित शर्मा	264	SL	ईडन गार्डन्स	2014
रोहित शर्मा	208	SL	मौहाली	2017
ईशान किशन	210	BAN	चटगांव	2022
शुभमन गिल	208	NZ	हैदराबाद	2023

दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज के बीच कांटे की टक्कर

अहमदाबाद। दोनों देशों के बीच अब तक 29 बार टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें कांटे की टक्कर देखने को मिली है। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 15 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 14 मैच जीते।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला आज खेला जाएगा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 47वां मुक़ाबला वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच 26 फरवरी को खेला जाएगा। सुपर 8 का यह मुक़ाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच को जीत सेमीफ़ाइनल में जगह पक्की करना चाहेंगे। ग्रुप मुकाबलों में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज का सफर शानदार रहा। इस टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 35 रन से जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को 30 रन से हराया। नेपाल के विरुद्ध 9 विकेट से जीत दर्ज की, जिसके बाद इटली को 42 रन से परास्त किया। अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदकर वेस्टइंडीज ने सुपर-8 के ग्रुप-1 में +5.350 नेट रन रेट के साथ पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीकी टीम +3.800 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। इस टीम ने कनाडा के खिलाफ अपना पहला मैच 57 रन से जीता था, जिसके बाद अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में मात दी। न्यूजीलैंड को 7 विकेट से शिकस्त देने के बाद यूएई के खिलाफ 6 विकेट से जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने अपने सुपर-4 अभियान का अंत किया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ 76 रन से जीत दर्ज करते हुए अपने सुपर-8 अभियान का दमदार आगाज किया।

बॉक्सिंग: मेवेदर और पैकियाओ के बीच ऐतिहासिक री-मैच सितंबर में

दोनों दिग्गज बॉक्सर एक बार फिर होंगे आमने-सामने

लास वेगास। मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ एक बार फिर प्रोफेशनल रिंग में आमने-सामने होंगे। इस ऐतिहासिक री-मैच की घोषणा कर दी गई है, जो 19 सितंबर को लास वेगास के अत्याधुनिक 'द स्फीयर' में होगा। दोनों खिलाड़ी 11 साल बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगे। इससे पहले 2 मई 2015 को हुई उनकी पहली भिड़ंत ने कमाई और व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। उस फाइट से 410 मिलियन डॉलर (करीब 2680 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू जनरेट हुआ था जबकि टिकट विंडो से 72.2 मिलियन डॉलर (करीब 470 करोड़) की कमाई हुई थी। वह मुकाबला मेवेदर ने अपने नाम किया था। मेवेदर का 50-0 का परफेक्ट रिकॉर्ड जबकि पैकियाओ ?ने पिछले साल की थी वापसी

अमेरिका के मेवेदर ने हाल ही में रिंग में वापसी की पुष्टि की। 49 वर्षीय मेवेदर 2017 में कोनोर मैक्ग्रेगोर को हराने के बाद 50-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ रिटायर हुए थे। वहीं, फिलीपींस के 47 वर्षीय पैकियाओ ने भी 2025 में मारियो बैरियोस के खिलाफ ड्रॉ खेलकर रिंग में वापसी की है। उन्होंने करियर में 73 फाइट में से 62 जीती हैं।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं।

बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंनें 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

मिलान में चैंपियंस लीग फुटबॉल के प्लेऑफ मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित बोडो ग्लीम्ट्स के खिलाड़ी।

दूसरे दिन कप्तान डोगरा, वधावन-साहिल की फिफ्टी; डोगरा और अनीश में नोंक-झोंक

रणजी ट्रॉफी फाइनल- जम्मू-कश्मीर का स्कोर 527/6

दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। जम्मू-कश्मीर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। बुधवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने 6 विकेट खोकर 527 रन बना लिए हैं। साहिल लोत्रा 57 रन और आबिद मुश्ताक 20 रन पर नाबाद हैं। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं।

सुबह 284/2 के स्कोर से आगे खेलने उतरी जम्मू-कश्मीर ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। पहले दिन के शतकवीर शुभम पुंदीर को विद्याधर पाटिल ने पवेलियन की राह दिखाई। शुभम 121 के स्कोर पर केवी अनीश को मिड विकेट पर कैच थमा बैठे। अगले ओवर में ही अब्दुल समद भी प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हो गए। विकेटकीपर कृतिक कृष्णा ने कैच पकड़ा। समद 61 रन बनाकर आउट हुए और टीम का स्कोर 303/2 से 307/4 हो गया। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध ने 3 विकेट लिए हैं, जबकि श्रेयस गोपाल, विद्याधर पाटिल और शिखर शेट्टी को 1-1 विकेट मिले हैं।

पहले दिन शुभम पुंदीर ने शतक लगाया था

पहले दिन जम्मू-कश्मीर के लिए शुभम पुंदीर ने शतक लगाया था। उन्होंने 121 रन की पारी खेली। उनके अलावा ओपनर यावर हसन ने 88 रन बनाए थे। पहले दिन टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए थे। दोनों विकेट प्रसिद्ध ने झटके थे।

कप्तान डोगरा और साहिल लोत्रा की फिफ्टी

कप्तान डोगरा और साहिल लोत्रा के बीच 6वें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी हुई। इस बीच कप्तान डोगरा ने फिफ्टी की। वह 70 रन बनाकर श्रेयस गोपाल की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

साहिल-मुश्ताक ने टीम को 500 के पार पहुंचाया

साहिल और आबिद मुश्ताक ने 7वें विकेट के लिए 56 रन जोड़ते हुए टीम का स्कोर 500 रन के पार पहुंचाय। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों नाबाद लौटे।

कप्तान पारस-वधावन में शतकीय साझेदारी

कप्तान पारस डोगरा और वधावन ने पारी संभाली। दोनों ने 5वें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करते हुए 110 रन जोड़े। इस दौरान कन्हैया वधावन ने अपनी फिफ्टी पूरी की। आखिरकार 417 रन के टीम स्कोर पर शिखर शेट्टी ने वधावन को राहुल के हाथों कैच आउट कराया। वधावन ने 70 रन की पारी में 9 चौके लगाए।

पारस डोगरा और अनीश आपस में भिड़े

जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में बैटिंग कर रहे डोगरा और शॉर्ट लेग पर खड़े केवी अनीश आपस में भिड़ गए। दरअसल अनीश बैट्समैन पर दबाव बनाने के लिए लगातार कुछ बयानबाजी कर रहे थे। इसी बीच डोगरा ने अनीश के सिर पर सिर से टक्कर मारी। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। इसके अंपायर ने बीच-बचाव करते हुए दोनों को अलग किया। हालांकि अगले ओवर में डोगरा ने अनीश से माफी मांगने की भी कोशिश की, लेकिन अनीश से माफी लेने से मना कर दिया।

जैगुर–डोडुम में मुठभेड़ः भैरमगढ़ एरिया कमेटी के दो इनामी माओवादी ढेर

एसएलआर, इंसास और विस्फोटक बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बिते गुरुवार को जांगला थाना क्षेत्र के जैगुर-डोडुम इलाके में इंद्रावती नदी के पास सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के दो सशस्त्र माओवादी मारे गए। दोनों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के बाद मौके से एसएलआर, इंसास राइफल और 12 बोर बंदूक समेत भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना पर 25 फरवरी की शाम डीआरजी की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच आमना-सामना हुआ और दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। फायरिंग थमने के बाद सर्च के दौरान दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद किए गए।

मारे गए माओवादियों की पहचान – पुलिस के अनुसार, मृतकों की प्रारंभिक पहचान एसीएम हिचामी मडडा और एसीएम मनकी पोडियम के रूप में हुई है। दोनों भैरमगढ़ एरिया कमेटी के सदस्य थे और लंबे समय से सक्रिय बताए जा रहे थे।

क्या-क्या हुआ बरामद –मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर राइफल, एक इंसास राइफल, 12 बोर बंदूक, कई मैगजीन और राउंड, दो हैंड ग्रेनेड, दो देशी ग्रेनेड, डेटोनेटर, बैटरी, दवाइयां और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है।कार्रवाई में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफकी संयुक्त टीम शामिल रही। मुठभेड़ के बाद आसपास के जंगलों में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है।बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पट्टलिंगम ने शेष सक्रिय माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार आत्मसमर्पण करने वालों के पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। संवेदनशील माने जाने वाले इस इलाके में हुई कार्रवाई को सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता की बड़ी उपलब्धि

राष्ट्रीय नासो खगोल अंतरिक्ष विज्ञान ओलंपियाड में 40 विद्यार्थियों ने जीते गोल्ड मेडल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

दाढ़ी क्षेत्र के प्रतिष्ठित एवं सीबीएसई मान्यता प्राप्त अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल की है। विद्यालय के 40 छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय नासो खगोल अंतरिक्ष विज्ञान एवं अंतरिक्ष विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा में गोल्ड मेडल प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय से प्रथम चरण में कुल 105 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की थी, जिनमें से 53 विद्यार्थियों ने राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर रैंक प्राप्त की, जबकि 40 विद्यार्थी गोल्ड मेडल के साथ द्वितीय चरण के लिए चयनित हुए हैं। ओलंपियाड परीक्षा का द्वितीय चरण 27 फरवरी को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों में से रैंक के आधार पर ह्रस्र (अमेरिका) एवं ढ्ढस्ह्र (भारत) के शैक्षणिक भ्रमण एवं हवाई यात्रा का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य पी.एल. जायसवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करती हैं। उन्होंने बताया कि अब तक विद्यालय के 119 विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं, जिसमें कक्षा दूसरी से जयनीत निर्मलकर(अगरी), तुलजा भूआर्य (गिधवा), श्रेजल साहू(ओड़िया), यश चंद्राकर (बीसनपुरा), कक्षा तीसरी से श्रेया पाठक (पचभैया),भूपेन्द्र कुमार साहू (खुरुशबोड),प्राची साहू (छिरहा),रूद्र चंद्राकर (ओड़िया)। कक्षा चौथी से हेमांशु चंद्राकर (दमाईडीह), तिलेश्वर वर्मा (पेंड्री), मयंक निर्मलकर (अगरी), सागर पाटले (सारंगपुर),कक्षा पांचवीं से आदित्य दुबे (गिधवा), भावेश कुमार चंद्राकर (दमाईडीह), ज्योति कश्यप(मोहतरा), योगिता साहू (उमरिया), भावेश कुमार गहिरे (बिरनपुर), मेदिशंकर चंद्राकर (करही तेंदो)।कक्षा छठवीं से रोहणी चंद्राकर(बीसनपुरा), प्रवीण कुमार साहू(प्रतापपुर),योगिता दिवाकर (धौराबंद),नीलय जायसवाल(खण्डसरा),निशांत साहू (उमरिया),तुषार साहू (कारेसरा), मयंक चंद्राकर (अमचो),साक्षी सिन्हा (सैगोना), पियुष पेटल (मोहतरा)। कक्षा सातवी से राम ध्रुव (पुलिस कॉलोनी बेमेतरा),ओमकार चंद्राकर (कोयलारी), उदयप्रकाश वर्मा (कन्हेरा), अभिज्ञान सिंह(छिरहा),मान्या मिश्रा (जांता),अभिषेक जायसवाल(पचभैया) निखिल निर्मलकर (करचूवा)। कक्षा नवमी से आदित्य पटेल (कठौतिया),भूमिका वर्मा (कोदवा),आयुष कुमार साहू, (खुरुशबोड),टिकेश्वर चंद्राकर (खण्डसरा दशरंगपुर), कक्षा दसवीं से मोक्ष साहू(घिवरी बेमेतरा), डोली चंद्राकर(कृतबाँधा) का गोल्ड मैडल के साथ द्वितीय लेवल के लिए चयन हुआ हैं। जो विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के आम/ उप चुनावों की तैयारी प्रारंभ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ समन्वय बैठक आयोजित

रायपुर /मूक पत्रिका

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में बीते गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार तथा राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्थानीय निकायो के आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि आगामी आम /अप निर्वाचन हेतु आवश्यक ,निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावली का अद्यतन डाटा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। उक्त नामावली प्राप्त होते ही जिससे स्थानीय निकाय के आगामी निर्वाचन हेतु समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार की जाएगी तथा निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय निकायो में अध्यक्ष के 6 एव पार्षद के 75 पद तथा ग्रामीण निकायों में जनपद पंचायत सदस्य के 06 पद, सरपंच के 70 पद तथा पंच के 977 पद रिक्त हैं जिन पर आम/उप चुनाव अपेक्षित हैं ।

कुसमी में होली-रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक, जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने सौहार्द बनाए रखने की अपील

त्योहारों के मद्देनजर सघन चेकिंग, बाजार व्यवस्था, किरायेदार सत्यापन और नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय

कुसमी/मूक पत्रिका

आगामी होली और पवित्र रमजान माह को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कुसमी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओपी आशीष कुंजाम, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुसमी अनमोल टोप्पो, अनुविभागीय अधिकारी तहसीलदार रॉकी एक्का, एवं थाना प्रभारी विरासत कुजूर ने संयुक्त रूप से की। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, विभिन्न समुदायों के प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और आपसी भाईचारा कायम रखने की अपील की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि होली के पूर्व बाबा चौक एवं शिव चौक सहित संवेदनशील स्थलों पर सघन वाहन चेकिंग और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, होलिका दहन केवल निर्धारित स्थानों पर सुरक्षा मानकों के साथ कराया जाएगा, शनिवार बाजार के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर अस्थायी प्रतिबंध रहेगा, बाहरी व्यक्तियों और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, क्षेत्र में किरायेदारों का अनिवार्य सत्यापन अभियान चलाया जाएगा तथा शराब, मादक पदार्थ और अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत, उपाध्यक्ष आनंद जयसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंती भगत, उपाध्यक्ष अशोक सोनी, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मुजस्सम नजर, कांग्रेस नेता सोनू अली, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय जयसवाल, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक व समाज सेवी मो. शमीम, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, जिला कार्यसमिति सदस्य राकेश भारती, भाजपा मंडल महामंत्री बालेश्वर नायक, युवा कांग्रेस सामरी विधानसभा अध्यक्ष दीपक बुनकर, भाजपा नेता देवसाय भगत, अंजुमन कमेटी बाजार पारा सादर जरीफ अंसारी, सिस्टर संध्या तिग्गा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और कुसमी क्षेत्र में आपसी भाईचारा एवं सौहार्द की परंपरा को बनाए रखने का संकल्प दोहराया। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोनों पर्व शांति एवं सद्भाव के साथ संपन्न हो सकें।

विधायक आशाराम नेताम की त्वरित पहल रंग लाई, दो दिन में दूर हुई दसपुर की जल समस्या

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर –ग्राम दसपुर के बरासम चौक में लंबे समय से बनी पेयजल संकट की समस्या का समाधान विधायक आशाराम नेताम की सक्रिय पहल से दो दिनों के भीतर संभव हो सका। विडंबना यह थी कि जिस गांव से कांकेर शहर को पानी की आपूर्ति होती है, वही गांव जल संकट से जूझ रहा था। पानी टंकी से जुड़े हिस्से में तकनीकी बाधा के कारण बरासम चौक एवं छोटे पारा क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर सरपंच सूर्य नेताम, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं शिव शक्ति महिला समिति के सदस्यों ने विधायक से मुलाकात कर शीघ्र समाधान की मांग की। विधायक आशाराम नेताम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित विभाग को निर्देशित किया। उनके प्रयासों से मात्र दो दिनों के भीतर सफल बोरखनन कार्य पूर्ण किया गया और प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति सुचारू कर दी गई। ग्रामीणों ने विधायक की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनसमस्याओं के प्रति विधायक की सक्रियता से गांव को बड़ी राहत मिली है।

तुलसी साहू के शानदार खेल के बदौलत छत्तीसगढ़ की शानदार जीत,छत्तीसगढ़ ने बिहार को 3 1 से हराया

तुलसी साहू 01 गोल,माया यादव 01 गोल एवं मोनिका वैरागडे ने भी 01 गोल किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड नई दिल्ली के तत्वधान में नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता 2026 मे छत्तीसगढ़ महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बिहार टीम के खिलाफकी शानदार जीत दर्ज छत्तीसगढ़ महिला टीम का मुकाबला बिहार टीम के साथ हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ टीम ने अपने चिर परिचित खेल का परिचय देते हुए अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए बिहार टीम को 3ङ्क1 से हराकर टूर्नामेंट में धमाकेदार जीत दर्ज की इस शानदार जीत में बेमेतरा जिला अंतर्गत विकासखण्ड बेरला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव की व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू पूरे मैच में अपने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ टीम को यादगार विजयी दिलाने में अहम भूमिका निभाई खेल के पहले हाफ में छत्तीसगढ टीम पूरी तरह हावी रही और टीम का पहला गोल मोनिका वैरागडे ने किया सेंटर फॉरवर्ड खिलाड़ी तुलसी साहू ने बिहार टीम के अभेद डिफेंस किला को तोड़ते हुए अपना पहला और टीम का दूसरा गोल किया जिससे छत्तीसगढ़ टीम को 2ङ्क1 की निर्णायक बढ़त हासिल हुआ । दूसरे हाफमें भी छत्तीसगढ़ टीम ने अपने रणनीति को और मजबूत करते हुए शानदार खेल जारी रखा और माया यादव के शानदार 01 गोल की बदौलत टीम को 3ङ्क1 की निर्णायक बढ़त मिली छत्तीसगढ़ टीम की डिफेंस खिलाड़ी रश्मि तिर्की,शोभावटी,ज्योति तिर्की,भावना गुप्ता,रीठा साहू,सविता चंद्राकर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने डिफेंस का अभेद किला बनाए रखा जिससे बिहार टीम सिर्फ01 गोल करने में सफल हो पाई गोल कीपर श्वेता शिंदे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार की फॉरवर्ड खिलाड़ियों के कड़े प्रहारों को रोकर दर्शकों का दिल जीता - टीम के सभी खिलाड़ियों ने सामूहिक खेल का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की राज्य की टीम में रश्मि तिर्की,श्वेता शिंदे,ज्योति तिर्की,रीठा साहू,संजू साहू,भावना गुप्ता,हर्षा साहू,तुलसी साहू,मोनिका वैरागडे,माया यादव,सविता चंद्राकर,सुमन यादव,लिली ग्रेस किंडो,जसमोतीन दुग्गे,भारती साहू,शोभा, यामिनी शुक्ला शमिल है ।

जगरगुड़ा बनेगा 'एजुकेशन सिटी': बस्तर के भविष्य को नई दिशा

सुकमा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य के बजट 2026-27 में सुकमा जिले के जगरगुड़ा को ÷एजुकेशन सिटी÷ के रूप में विकसित करने की घोषणा को ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,वित्त मंत्री ओपी चौधरी,प्रभारी मंत्री केदार कश्यप एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप के प्रति आभार व्यक्त किया है। कहा कि जगरगुड़ा जैसे दूरस्थ और पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एजुकेशन सिटी की स्थापना का निर्णय बस्तर अंचल के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इससे स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा अपने ही जिले में उपलब्ध हो सकेगी, जिससे उन्हें बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।प्रस्तावित एजुकेशन सिटी के अंतर्गत विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी संस्थान तथा कौशल विकास केंद्रों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया ने कहा कि यह पहल न केवल शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी। शिक्षा संस्थानों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र में विकास की गति तेज होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बजट में जगरगुड़ा को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की घोषणा इस प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है।उन्होंने प्रदेश सरकार एवं सभी जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय सुकमा जिले के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी कदम है, जो आने वाले वर्षों में शिक्षा, शांति और रोजगार के नए आयाम स्थापित करेगा।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी, लंबित विद्युत संयोजन और अतिरिक्त स्वीकृतियों पर विस्तार से चर्चा

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय स्थित दिशा सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति, वित्तीय स्वीकृतियों, अतिरिक्त कार्यों तथा लंबित समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई और समयबद्ध कार्ययोजना पर जोर दिया गया।बैठक के प्रारंभ में सदस्य सचिव एवं कार्यपालन अभियंता द्वारा समिति को एजेंडा बिंदुओं से अवगत कराया गया। 29 जनवरी 2026 के उपरांत प्राप्त आवंटन तथा किए गए भुगतान की अनुमोदन पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्यों जैसे नई पाइप लाइन विस्तार एवं फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन की स्वीकृति संबंधी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। जिन ग्रामों में विद्युत संयोजन हेतु डिमांड नोट का भुगतान किया जा चुका है, किंतु अब तक विद्युत कनेक्शन प्राप्त नहीं हुआ है, ऐसे ग्रामों की स्थिति पर विशेष चर्चा की गई। संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर शीघ्र विद्युत संयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। बैठक में 9 फरवरी 2026 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों एवं चर्चा बिंदुओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि राज्य स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जिला स्तर पर सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है और प्रत्येक एजेंसी को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। इसके अतिरिक्त, कार्य में रुचि न लेने वाली अथवा धीमी प्रगति वाली एजेंसियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गुणवत्ता एवं समय-सीमा से समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पूर्ण हो चुके ग्रामों के हस्तांतरण, संचालन एवं संधारण (ह्र×रू) व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा समूह जल प्रदाय योजनाओं में आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण पर भी विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले के प्रत्येक ग्राम तक सुरक्षित एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसे प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, जनसंपर्क तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।